सुविचार

सर्वाधिक बुद्धिमान लोग समय की हानि से सबसे अधिक परेशान होते हैं।

-दांते एलघिएरी

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Priyanka Chopra's Mother Opens Up...

Ranchi ● Friday, 28 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 46 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	74,612.43
निफ्टी	:	22,545.05

SARAFA

सोना	:	8,185
चांदी	:	106.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बजट सत्र के दूसरे चरण में पेश हो सकता है संशोधित वक्फ विधेयक

NEW DELHI : केंद्र सरकार बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक संसद के विचार के लिए ला सकती है। सूत्रों ने बताया कि 19 फरवरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बैठक में संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित 14 संशोधनों को अपनी मंजूरी दी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी की रिपोर्ट विपक्षी दलों के हंगामे और वाकआउट के बीच गत 13 फरवरी को संसद में पेश की गई थी।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में चार नक्सली गिरफ्तार

SUKMA : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि सुकमा के चिंतलनार थाना क्षेत्र के रावगुड़ा गांव के जंगलों में सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों-रवा हड़मा (28), वेट्टी आयता (30), बारसे भीमा (25) और मड़कम कोसा (42) को गिरफ्तार किया है।

विस का बजट सत्र : प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के वरिष्ठ विधायक सीपी सिंह ने उठाया मुद्दा

मंईयां सम्मान योजना की बकाया राशि को लेकर विस में हंगामा

PHOTON NEWS @ RANCHI

गुरुवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन विपक्ष में जोरदार हंगामा किया। प्रश्नकाल के दौरान रांची विधायक सीपी सिंह ने मंईयां सम्मान योजना की बकाया राशि का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अभिभाषण में गलत दावा किया कि योजना की राशि लाभुकों को मिल रही है, जबकि जनवरी और फरवरी की किस्त अब तक नहीं मिली है। सीपी सिंह ने सदन में विधवा महिलाओं को मंईयां योजना का लाभ देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 18 से 50 साल की आयु की विधवा महिलाओं को केवल एक हजार रुपये मिलते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी महिलाओं का क्या दोष है कि उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने यही सवाल विकलांग महिलाओं के लिए भी उठाया और सरकार से अपील की कि 18 से 50 साल की विधवा और विकलांग महिलाओं को भी मंईयां योजना का लाभ दिया जाए।

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने दिया जवाब : इस पर नगर विकास मंत्री मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सीपी सिंह को नियमावली को पढ़ने की सलाह दी। विधायक सीपी सिंह के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि 15 मार्च तक मंईयां सम्मान योजना की बकाया राशि महिलाओं के खाते में डाल दी जाएगी। मंत्री ने सदन में सीपी सिंह के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मंईयां सम्मान योजना की राशि महिलाओं के खाते में जानी शुरू हो गई है। 15 मार्च तक बाकी बचे जितने किस्त हैं उसे महिलाओं के खाते में डाल दिया जाएंगे।

5508 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट पेश

- विधवा महिलाओं को योजना का लाभ देने की आवश्यकता पर दिया जोर
- सरकार ने 15 मार्च तक भुगतान का दिया आश्वासन
- नगर विकास मंत्री मंत्री सुदिव्य कुमार ने सीपी सिंह को नियमावली पढ़ने की दी सलाह

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने 5508 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट सदन में पेश किया। इससे पहले, उन्होंने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट और वित्त लेखे भी सदन में प्रस्तुत किए। सदन में पेश तृतीय अनुपूरक बजट में सबसे ज्यादा ऊर्जा विभाग को 971.80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी तरह से कृषि पशुपालन एवं सहकारिता (कृषि) को 176.48 लाख रुपये, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) को 241.34 लाख रुपये, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को 612.62 लाख रुपये, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग को 180.75 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त विभाग को 10471.61 लाख रुपये, पेंशन मद में 50,000 लाख रुपये, वाणिज्य कर विभाग को 50 लाख रुपये, खाद्य एवं जन वितरण एवं उपभोक्ता मामले को 74 लाख रुपये, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को 16137.95 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में पेश कैग रिपोर्ट में हुआ खुलासा

झारखंड में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सों की कमी

RANCHI @ PTI : गुरुवार को झारखंड विधानसभा में पेश की गई नवीनतम कैग रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन के लेखापरीक्षा में सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सों और पैरामेडिक्स की भारी कमी का पता चला है। रिपोर्ट में पाया गया है कि मार्च 2022 तक राज्य में चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों के 3,634 स्वीकृत पदों के मुकाबले 2,210 पद रिक्त थे, जो कुल क्षमता का लगभग 61 प्रतिशत है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा स्टाफ नर्सों के 5,872 स्वीकृत पदों के मुकाबले 3,033 पद तथा पैरामेडिक्स के 1,080 स्वीकृत पदों के मुकाबले 864 पद रिक्त हैं।

पूर्व सीएस एल खियांगते बने जेपीएससी के अध्यक्ष

PHOTON NEWS @ RANCHI : गुरुवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के नए अध्यक्ष के रूप में राज्य के पूर्व चीफ सेक्रेटरी एल खियांगते की नियुक्ति कर दी गई है। झारखंड सरकार के प्रस्ताव को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने तुरंत मंजूरी दे दी। पिछले 6 महीने से जेपीएससी अध्यक्ष का पद खाली होने की वजह से बड़े पैमाने पर नियुक्तियां बाधित थीं।

प्रतियोगी परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी लगातार जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग कर रहे थे। खियांगते झारखंड कैडर के 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने 1987 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास की थी और 1988 में आईएएस अधिकारी बने थे। वे मिजोरम के आदिवासी समुदाय से आते हैं और उन्होंने इतिहास विषय में ग्रेजुएशन किया है।

महाकुंभ 'युग परिवर्तन की आहट' इसने भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का दिया संदेश : पीएम मोदी

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ को को 'युग परिवर्तन की आहट' करार दिया और कहा कि इस आयोजन ने भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है और यह संदेश है विकसित भारत का। महाकुंभ के पूर्ण होने पर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से साझा किए गए एक आलेख में प्रधानमंत्री ने इस भव्य आयोजन को एकता का महाकुंभ बताया और कहा, जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वह सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे और सभी ने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में, इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी। बता दें कि महाकुंभ 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ था और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन इसका समापन हुआ।

- एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी 140 करोड़ देशवासियों की आस्था
- आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए नए सिरे से अध्ययन का विषय बन गया यह आयोजन
- 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ था महाकुंभ, 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन हुआ समापन

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया गंगा पूजन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सकुशल संपन्न होने पर गुरुवार को को यहां गंगा की विधि विधान से पूजा अर्चना की।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से अरैल में बने हेलीपैड पर उतरे और वहां से संगम गए जहां पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने गंगा की पूजा अर्चना के साथ ही गंगा आरती भी की और घाट वापस लौटते समय साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया।

H.G.E. GROUP EDU

BIRSA CHOWK, RANCHI

Govt. Valid | Admission | Low Fee

D.Pharma | D.Ed.

B.Ed | BAMS

Diploma (Civil) | ANM/GNM

10th/12th/B.A | DMLT/Dresser

FREE FOR FRANCHISEE

7294172049

SURAJ PUBLIC SCHOOL

An English Medium Co-ed. School Based on C.B.S.E. Pattern
Baby Nursery to Xth

Contact No. 9905297144

FREE ADMISSION OPEN

PRE - NURSERY TO CLASS - X

FEATURES:-

1. TRAINED TEACHER FOR ACADEMIC EXCELLENCE.
2. SMART CLASS FACILITY.
3. FREE COMPUTER CLASSES
4. FREE KARATE CLASS
5. TRANSPORT FACILITY.
6. A.I.S.O PREPARATION.
7. CO-CURICULAR DEVELOPMENT

Opp. Padosan Restaurant , Kathal More, Ranchi

टीएसपीसी का सदस्य 652 गोलियों के साथ गिरफ्तार

पलामू, लातेहार व चतरा जिले में दर्ज थे 12 आपराधिक मामले

पत्रकारों को जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU : नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पलामू पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नक्सली संगठन टीएसपीसी के सक्रिय सदस्य उपेन्द्र भुइयां को पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल से गिरफ्तार किया है। इसके निशानदेही पर .315 एमएम की 652 गोली पुलिस ने बरामद की है। नक्सली उपेन्द्र सारे कारतूस को छुपाकर रखा था और संगठन के पास ले जाने के लिए दस्ता छोड़कर आया था। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में बताया कि उपेन्द्र भुइयां वर्ष 2021 से टीएसपीसी में सक्रिय था। इससे पहले वर्ष 2014 से टीएसपीसी के बाल दस्ता का सदस्य रहा था। टीएसपीसी के आक्रमण गंझू और शशिकांत के दस्ता में शामिल था। इसके खिलाफ पलामू, लातेहार और चतरा जिला मिलाकर 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। चतरा जिले में अफीम की खेती नष्ट करने के दौरान पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उपेन्द्र शामिल था। इस घटना में दो पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। एक दर्जन मामले दर्ज होने के बावजूद वह कभी जेल नहीं गया था। एसपी ने जानकारी दी कि कुछ समय पहले उसे 652 पीस जिंदा गोली छुपाकर रखने के लिए दिया गया था। उसे गिरफ्तार करने के बाद उसकी निशानदेही पर कोहबरिया जंगल में चट्टान की खोह में डालडा के पीले रंग के डब्बा में छुपाकर रखे गए सारे कारतूस बरामद किए गए। दस्ता छोड़कर कारतूस लेने आने के कारण उपेन्द्र के पास कोई हथियार नहीं था। उसने संगठन के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इसके लिए छानबीन तेज की गयी है। उपेन्द्र भुइयां मनातू थाना क्षेत्र के छोटकीनागद का रहने वाला है।

दो गुटों के बीच झड़प से बढ़ा तनाव पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील

इचाक प्रखंड के डुमरौन में तैनात पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

AGENCY HAZARIBAG : जिले के इचाक प्रखंड के डुमरौन में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात है। हालांकि इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस प्रशासन ने पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिला पुलिस बल को तैनात किया गया है। इधर, घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि देश संविधान से चलता है। इधर, पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के संबंध में प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति कुमारी ने बताया कि दोनों पक्षों से 45 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं दो सौ अज्ञात पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में कानून के तहत अग्रतर कार्रवाई कर रही है। उल्लेखनीय है कि डुमरौन गांव में लोहे के खंभे पर लाउडस्पीकर बांधने के विवाद में बुधवार को दो गुटों में झड़प हो गई थी। दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ था। पत्थरबाजी में लगभग छह लोग घायल हो गए थे। उपद्रवियों ने एक बोलेरो, छह बाइक, एक स्कूटी और साइकिल को आग के हवाले कर दिया था। इस दौरान सड़क पर खड़ी ऑटो को पलट दिया और एक बाइक को कुएं में डाल दिया गया था। घटना में आठ वाहन जलकर राख हो गए। घटना के बाद पुलिस उपद्रवियों को लगातार चिन्हित कर रही है।

जिला प्रशासन को डमी चेक प्रदान करते पीवीयूएनएल के पदाधिकारी

पतरातू में 1.76 करोड़ से बनेगी 50 सोलर स्वचालित जलमीनार

RAMGARH : रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड में 1.76 करोड रुपए की लागत से 50 सोलर स्वचालित जल मीनार बनाया जाएगा। यह घोषणा रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने गुरुवार को की है। पीवीयूएनएल की ओर से सीएसआर के तहत जिला प्रशासन को 1.76 करोड रुपए की राशि दी गई।

इस राशि से आने वाली गर्मियों के मौसम में जलापूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ करने का काम होगा। पीवीयूएनएल के अधिकारियों की ओर से गुरुवार को डीसी चंदन कुमार को चेक सौंपा गया। डीसी ने पीवीवीएनएल के जरिये की गई इस पहल की सराहना की। पीवीयूएनएल की ओर से उपलब्ध कराई गई राशि से रामगढ़ जिला अंतर्गत पतरातू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 50 सोलर स्वचालित जल मीनारों का अधिष्ठापन कराया जाएगा। वहीं सोलर स्वचालित जल मीनार अधिष्ठापन का कार्य पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ की ओर से कराया जाएगा।

युवक ने खाया जहर तो अस्पताल में सिंदूर लेकर आई प्रेमिका, भराई मांग

दो वर्षों से चल रहा था प्रेम-प्रसंग, दोनों कुमारधुबी के रहने वाले

अस्पताल में विवाह करते प्रेमी-प्रेमिका ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : प्रेम विवाह का अनोखा मामला एसएनएमएमसीएच में बुधवार को दिखा। कुमारधुबी निवासी प्रेमी ने अपनी प्रेमिका के वियोग में जहर खा लिया, जिसके बाद उसे एसएनएमएमसीएच के प्वाइजनिंग वार्ड में भर्ती कराया गया। प्रेमिका को जब इसकी सूचना मिली, तो वह भागते हुए अस्पताल पहुंची। वार्ड में भर्ती प्रेमी के पास पहुंची, साथ में सिंदूर लाई थी। उसने प्रेमी से अपनी मांग भरवा ली। दोनों ने जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने की कसमें भी खा लीं। अस्पताल में इस शादी की खूब चर्चा हो रही है। स्पताल में मौजूद मरीज, उनके परिजन, चिकित्सक-कर्मचारी इस अनोखी शादी के गवाह बने। शादी को लोगों ने मोबाइल में कैद किया, वीडियो भी बनाई। अस्पताल में हर किसी की जुबान पर यही चर्चा रही कि पहली बार अस्पताल में प्रेमी-युगल की शादी होते देखा है।

प्वाइनिंग वार्ड में भर्ती कुमारधुबी के आलोक और नेहा गुप्ता के बीच दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक-दूसरे से शादी करना चाहते थे। प्रेमी आलोक ने बताया कि उसने इसकी जानकारी अपने घर वालों को दी थी। मेरे घर वाले शादी के लिए तैयार थे। कहा कि उसी लड़की से शादी करा देंगे, लेकिन नेहा के घर वाले शादी के लिए राजी नहीं हो रहे थे। इस बीत नेहा का भाई लगातार धमकी देता था। वह लोग शादी के बिल्कुल खिलाफ थे। दो दिन पहले नेहा के स्वजन उसे लेकर धनबाद शहर आ गए थे। आलोक ने बताया कि नेहा के घरवालों को देखकर काफी दुख हो रहा था। इससे मैं काफी बेचैन होने लगा। इसके बाद आवेश में आकर जहर खा लिया। तबीयत खराब होने पर घर वालों ने एसएनएमएमसीएच में लाकर भर्ती करा दिया। शादी के बाद लड़के व लड़की दोनों के परिजन अस्पताल पहुंचे। दोनों की जिद के आगे परिजन भी कुछ बोल नहीं पा रहे थे।

ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनई नदी पर बना डाला 40 फीट लंबा बोरी-बांध

बांध के पास खड़े श्रमदान करने वाले ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : मुरहू के बिचना पंचायत अंतर्गत पेलौल गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को श्रमदान करके बनई नदी पर 40 फीट लंबा बोरी-बांध बना दिया। ग्रामसभा पेलौल और सेवा वेलफेयर सोसाइटी ने संयुक्त रूप से महज एक घंटे में गांव के बगल में बहने वाली बनई नदी पर बांध बना डाला। ग्रामसभा की बैठक के बाद सुबह सात बजे गांव के सभी 70 परिवार के एक-एक सदस्य हाथों में कुदाल, गैंता, बेल्चा आदि लेकर बनई नदी पहुंचे, जहां पहले से बोरियां रखी हुई थीं। जल संरक्षण और नदी को बचाने का जज्बा गांव के लोगों पर इस कदर हावी था, कि सात बजे बोरीबांध बनाने का काम शुरू किया गया और आठ बजे तक 40 फीट लंबा बोरीबांध बनकर तैयार हो गया। ग्रामप्रधान शिवशंकर मुंडा ने कहा कि बोरीबांध बनने के बाद गर्मी के दिनों में पानी की समस्या नहीं होगी। खेतों की सिंचाई के साथ ग्रामीण स्वयं नहाने धोने और मवेशियों को पानी पिला सकेंगे। प्रगतिशील किसान लक्ष्मण महतो ने कहा कि बोरीबांध बनने के कई फायदे गांव के लोगों को मिलेंगे। गांव का भूगर्भ जलस्तर भी ऊपर आएगा। सोसाइटी के अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि जिले में बोरीबांध निर्माण के लिए जिले के एसपी अमन कुमार और एपेक्स कंक्रीट इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, तुपुदाना, रांची के निदेशक विपिन कुमार सिंह द्वारा सीमेंट की खाली बोरियां उपलब्ध कराई गई।

बोरीबांध में श्रमदान करने वालों में ग्रामप्रधान शिवशंकर तिडू, लक्ष्मण महतो, प्रफुल्ल तिडू, जगन्नाथ रूंडा, दुर्गा स्वांसी, संदीप कंडुलना, नियारण संगा, मार्शल तिडू, समीर कंडुलना,सरजू महतो, अनिल रूंडा, पहलू स्वांसी, इलियस तिडू, गोमेया तिडू, मंगल बोदरा, आर्यन तोपनो, जोहन संगा, सालू तोपनो समेत अन्य ग्रामीणों ने श्रमदान किया।

आज सुरूंदा में बनेगा बोरी-बांध : एसपी

ग्रामीणों द्वारा स्वयं अफीम की खेती खत्म करने के बाद जिला पुलिस द्वारा उन्हें वैकल्पिक खेती करने में सहयोग किया जा रहा है। जिले के एसपी अमन कुमार के द्वारा सेवा वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से ग्रामसभा सदस्यों को साथ लेकर शुक्रवार को सुरूंदा-मुरहू नाले पर चार से पांच बोरीबांध बनाया जाएगा। किसानों के बीच मूंग दाल के बीज भी वितरित किए जाएंगे। इस मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र, खूंटी के अध्यक्ष सह वैज्ञानिक डॉ. दीपक राय समेत कृषि विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

लातेहार में हथियार के साथ चार अपराधी हुए गिरफ्तार

पत्रकारों को जानकारी देते एसपी कुमार गौरव ● फोटोन न्यूज

AGENCY LATEHAR : लातेहार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधी राहुल सिंह गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों को मनिका थाना क्षेत्र के दोमुहान के पास से गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार अपराधियों में छिपादोहर थाना क्षेत्र के ओपाग गांव निवासी गौतम कुमार और देवबली कुमार सिंह, लातेहार के टेमकी की गांव निवासी साहिल अंसारी एवं मनिका निवासी रोहित सिंह शामिल है। पुलिस ने अपराधियों के पास से एक पिस्टल और गोलियां भी बरामद की है। गुरुवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के अपराधी निमार्णाधीन फोरलेन सड़क निर्माण के साइडिंग पर हिंसक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। जानकारी मिलने के डीएसपी भरत राम और थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाई। पुलिस को देखकर अपराधी अपने मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी रंगदारी वसूलने के लिए क्षेत्र में भय बनाना चाह रहे थे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व भी इन्हीं अपराधियों के जरिये निर्माण कार्य स्थल पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों के पास से पिस्टल के अलावे चार जिंदा गोलियां, दो मोटरसाइकिल सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

बालू का अवैध परिवहन कर रहे 6 ट्रैक्टर जब्त प्राथमिकी भी हुई दर्ज

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय के निदेर्शानुसार गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को बालू का अवैध खनन व परिवहन करते 6 ट्रैक्टर जब्त किए गए। यह जांच अभियान 5 बजे सुबह बड़कागांव थाना क्षेत्र में किया गया। सभी ट्रैक्टर की ट्रॉली में बालू लदे थे। कार्रवाई के उपरांत कटकमदाग थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। इससे पहले 24 फरवरी को बालू लदे 3 ट्रैक्टर एवं स्टोन चिप्स लदे 2 डंपर पकड़े गए थे।

अपहरण कांड में गालिब के खिलाफ जारी हुआ वारंट

● केरल हाई कोर्ट ने युवती को दिया पुलिस प्रोटेक्शन

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र से अपहृत की गई युवती आशा वर्मा को लेकर पुलिस काफी सक्रिय है। एसपी अजय कुमार ने गुरुवार को बताया कि अपहरण कांड संख्या 38/25 में पुलिस ने न्यायालय से वारंट मांगा था। न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। एसपी ने बताया कि आशा वर्मा के भाई रौनक कुमार वर्मा ने अपनी बहन के अपहरण कांड में चितरपुर, दर्जी मोहल्ला निवासी मो गालिब और उसके सहयोगियों के बारे में जिक्र किया था। वर्तमान समय में गालिब खान उर्फ राजा केरल राज्य के अलपुंझा जिला अंतर्गत कायमकुलम थाना क्षेत्र में मौजूद है। रामगढ़ पुलिस की टीम उस थाना क्षेत्र में पहुंची हुई है। न्यायालय से जारी वारंट भी टीम को भेज दिया गया है। स्थानीय पुलिस के सहयोग से गालिब को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा वर्मा के केस में शामिल अधिवक्ता जया एस लता ने बताया कि गुरुवार को हाई कोर्ट केरल में सुनवाई हुई। आशा वर्मा ने बालिग होने के साथ अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई थी। हाई कोर्ट ने उसे पुलिस सुरक्षा मुहैया करने का आदेश दिया है। कोर्ट में बहस के दौरान यह मुद्दा उठाया गया कि आशा वर्मा को अपहृत कर झारखंड के रामगढ़ जिले से केरल के अलपुंझा जिले में लाया गया है। लेकिन आशा ने खुद यह स्पष्ट किया कि वह अपनी मर्जी से यहां आई है। वह बालिग है और अपने फैसले खुद ले सकती है। वह अपनी मर्जी से मो गालिब के साथ केरल आई थी।

घाटशिला कॉलेज व साहित्य कला फाउंडेशन ने कराया युवा कॅरियर पर व्याख्यान

30 प्रतिशत अध्ययन व 70 फीसद अनुभव ही सार्थक बनाता है जीवन : नवीन चौधरी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि व आयोजक तथा व्याख्यानमाला में उपस्थित प्रतिभागी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GHATSILA : अगर हम अपने जीवन का सम्यक विश्लेषण करते हैं तो यह स्पष्ट हो जाता है कि पाठ्यक्रम या प्रशिक्षकों के माध्यम से हम अपने जीवन में केवल 30 प्रतिशत ही सीख पाते हैं, जीवन का अनुभव हमें 70 प्रतिशत सीखना है। इसलिए अगर हमें अपने कॅरियर में सफल होना है और जीवन में पूर्णता प्राप्त करनी है तो अध्ययन और अनुभव का समावेश करना होगा। हम क्या बनना चाहते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है, हम किसी और की उपलब्धि को अपना आदर्श बनाकर अगर स्वयं को विकसित करने की चेष्टा करेंगे, तो वह उपलब्धि हासिल नहीं हो पाएगी, जो हम चाहते हैं हमें तो खुद से बेहतर होना है। खुद से ही प्रतियोगिता करनी है। आज से अधिक कल करूंगा, इसके बारे में सोचना है। उक्त बातें देश के जाने-माने कॅरियर सलाहकार और 'खुद से बेहतर' शीर्षक वाली कॅरियर काउंसलिंग पुस्तक के लेखक नवीन चौधरी ने गुरुवार को घाटशिला कॉलेज में युवा कॅरियर पर आयोजित व्याख्यान में कहीं। उन्होंने घाटशिला कॉलेज के छात्र-छात्राओं को कॅरियर काउंसिलिंग की टिप्स दिए। चौधरी के दो उपन्यासों की भी काफी चर्चा है। 'ढाई चाल' और 'जनता स्टोर', इन उपन्यासों में भी इन्होंने राजनीति, मीडिया आदि को इसके प्रभाव और संजाल के माध्यम से समझने की चेष्टा की है।

अभी तय नहीं कर सकते, 5 साल बाद क्या होगा : डॉ. अशोक झा

डॉ. अशोक कुमार झा ने बच्चों को कॅरियर की अनिश्चिता के संबंध में बताते हुए कहा कि आज हम अगर अपना पाठ्यक्रम पूरा करते हैं तो कल निश्चित रूप से जो भी कार्य का अवसर होगा, उसमें हम अपने हिस्से का बेस्ट कर पाएंगे। कल कंप्यूटर का क्रेज था, आज एआई का क्रेज है, कल नहीं रहेगा। सीमा पर पहले जवानों की जरूरत होती थी, अब रोबोट की जरूरत हो रही है, तो नौकरियों के अवसर बदलते रहेंगे। नौकरियां जरूर रहेंगी, परंतु क्षेत्र बदल जाएंगे। इसलिए आज 5 साल आगे की बात सोच कर निर्णय नहीं ले सकते हैं।

रक्तदान के लिए सम्मानित किए गए डॉ. बीके सिंह

इस कार्यक्रम में कोल्हान विश्वविद्यालय के वित्त पदाधिकारी डॉ. बीके सिंह को 146 बार रक्तदान करने पर सम्मानित किया गया। साहित्य कला परिषद व घाटशिला कॉलेज के संयोजक डॉ. संदीप चंद्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया और साथ में मिलकर और भी कई कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही। कॅरियर काउंसिलिंग के कार्यक्रम का प्रभावी संचालन कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के महासचिव एवं घाटशिला कॉलेज के राजनीति विज्ञान के अध्यक्ष प्रो. इंदल पासवान ने किया। इस अवसर पर काफी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रश्नोत्तर सत्र में दिखी जिज्ञासा

हिंदी विभाग के डॉ. दिलचंद राम ने खुद से बेहतर पुस्तक में अंग्रेजी शब्दावलियों के प्रयोग पर लेखक से प्रश्न पूछा और यह जानना चाहा की हिंदी की पुस्तक होते हुए अंग्रेजी के 13 पारिभाषिक शब्दों का उपयोग किया जाना कितना उचित है, जबकि पूरे टिप्स ही 15 हैं। नवीन चौधरी ने इसका जवाब देते हुए बताया कि यह साहित्य की पुस्तक नहीं है, यह कॅरियर की पुस्तक है और इसमें प्रचलित शब्दों के साथ ही बच्चे अपना तादात्म्य जोड़ पाते हैं। इसके हिंदी पारिभाषिक शब्द और भी कठिन हैं। कई बच्चों ने कॅरियर से संबंधित प्रश्न किए।

प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने जताया संस्था का आभार

साहित्य कला फाउंडेशन और घाटशिला कॉलेज की साहित्य कला परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने नवीन चौधरी के साथ उपस्थित विशिष्ट अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के वित्त पदाधिकारी डॉ. बीके सिंह और एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य एवं जाने-माने साहित्यकार डॉ. अशोक कुमार झा तथा साहित्य कला फाउंडेशन के ट्रस्टी ब्रजेश कुमार मिश्र का अंगवस्त्र भेंट किया। स्वागत करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की, कि घाटशिला कॉलेज के अनुशासित छात्र-छात्राएं कॅरियर काउंसिलिंग के टिप्स प्राप्त कर उसे अपने जीवन में धारण करेंगे और लाभ उठाएंगे। उन्होंने साहित्य कला फाउंडेशन के ब्रजेश मिश्र का स्वागत करते हुए कहा कि उनके साथ मिलकर महाविद्यालय परिवार साहित्य और कला के क्षेत्र में कई कार्यक्रमों का आयोजन करने का अवसर प्राप्त करेगा, जिससे छात्रों में साहित्य के प्रति रुचि में वृद्धि होगी।

समय-समय पर सेंटर विजिट करें, स्थिति बताएं : उपायुक्त

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में बेहतर व प्रशंसनीय कार्य करने पर बधाई दी। तत्पश्चात उपायुक्त ने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को समय-समय पर सेंटर विजिट करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सेंटर विजिट कर वहां की व्यवस्था, रखरखाव, शौचालय, पानी, बिजली आदि की स्थिति पर रिपोर्ट दें। आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेषकर शौचालय और पानी कार्यात्मक है कि नहीं इसे रिपोर्ट में मेंशन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि बहुत सारे आंगनबाड़ी केंद्रों का मॉडर्नाइजेशन किया गया है और अभी भी आंगनबाड़ी केंद्रों में काफी मेहनत करने की जरूरत है। आने वाले समय में कई नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जाना है।

BRIEF NEWS

अवैध बालू लदा हाइवा सहित तीन वाहन जब्त, तीन अरेस्ट

RANCHI : गुरुवार को बेड़ो पुलिस ने अवैध बालू सप्लाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बारीडीह गांव के पास से एक अवैध बालू लदे हाइवा को जब्त किया। पुलिस की निगरानी कर रहे दो अन्य वाहनों को भी पुलिस ने सीज कर लिया। थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बारीडीह गांव के पास से एक अवैध बालू लदा हाइवा गुजरने वाला है, जिसे सुरक्षित पार कराने के लिए बोलेरो और टाटा सूमो गोल्ड द्वारा रेकी की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर वाहनों को रोक लिया और मौके पर ही हाइवा के चालक सहित रेकी कर रहे दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को बेड़ो थाना लाकर उनके खिलाफ अवैध खनन और परिवहन अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। थाना प्रभारी ने कहा कि बालू के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे अवैध खनन या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

जतरा स्थल की भूमि पर अतिक्रमण का ग्रामीणों ने किया विरोध

RANCHI : गुरुवार को ओरमांझी प्रखंड के ग्राम पंचायत बर्वे में आदिवासियों के जतरा स्थल की भूमि पर अवैध अतिक्रमण किया गया है। इस जमीन को हस्तांतरित भी कर दिया गया है। इसे लेकर ग्रामीण आक्रोशित हैं। इस बीच ओरमांझी प्रखंड के आंचल अमीन एवं कर्मचारी और अंचल निरीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर जमीन की नापी की, जिसमें यह जमीन खतियानी दर्ज है। ग्रामीणों का मानना है कि यह जमीन हमारे पूर्वजों ने संरक्षित कर रखा था। लेकिन, भूमाफिया की मिलीभगत से इस जमीन को बेचा जा रहा है। इसे बचाने के लिए ग्रामीण एकजुट हैं। इस मौके पर आदिवासी सरना समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार मुंडा, ग्रामीण नेता अजय उरांव, संदीप उरांव, दिगंबर मुंडा, प्रतीत कच्छप, पवन उरांव, मुखिया अनीता लिंडा और किशोर नायक समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

कल से शुरू होगी दो दिवसीय आध्यात्मिक आराधना

RANCHI : संत पॉल्स कैथेड्रल पास्टोरेट समिति, सीएनआई चर्च के तत्वावधान में संत पॉल्स हाई स्कूल मैदान में दो दिवसीय आध्यात्मिक आराधना 1 मार्च से शाम 5 बजे से शुरू होगी, जो 2 मार्च तक चलेगी। गुरुवार को सीएनआई चर्च के प्रोग्राम कन्वीनर और ट्रेजरर आईजक रक्षित, पुरोहित एस। डेविड, असिस्टेंट पुरोहित जस्टिन भुईया, सहायक पुरोहित सुनिल एमानुएल भुईया, सहायक पुरोहित विकास कुजूर और जोहन भेंगरा ने मीडिया को संबोधित किया।

सिस्टम में सुधार के लिए नगर विकास विभाग को भेजा गया है प्रस्ताव

सफाई के लिए 200 नई गाड़ियां खरीदने की तैयारी में नगर निगम

VIVEK SHARMA @ RANCHI : रांची नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाने जा रहा है। नगर निगम ने सफाई कार्यों के लिए 200 नई गाड़ियां खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसे नगर विकास विभाग को भेजा गया है। वर्तमान में रांची नगर निगम के पास कुल 350 गाड़ियां हैं, जिनके द्वारा शहर की सफाई की जा रही है। लेकिन इन गाड़ियों की संख्या और उनकी कार्य क्षमता अब शहर की बढ़ती आबादी और बढ़ते कचरे के निपटान की जरूरतों के मुकाबले पर्याप्त नहीं रह गई है। ऐसे में नई गाड़ियों के आने से सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

लगातार बढ़ रहा है लोड

नगर निगम पर लगातार बोझ बढ़ रहा है। घरों की संख्या भी बढ़ रही है। शहर का विस्तार भी किया जा रहा है। ऐसे में नए प्रस्ताव के तहत रांची नगर निगम शहर के विभिन्न हिस्सों में सफाई कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 200 नई गाड़ियां खरीदने की योजना बना रहा है। इन गाड़ियों के आने से निगम की सफाई व्यवस्था में बड़ा सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। नई गाड़ियां खरीदने का उद्देश्य सफाई के काम को गति देना और कचरा प्रबंधन को और बेहतर बनाना है। इन गाड़ियों का इस्तेमाल सड़कों की सफाई, कचरा उठाने और शहर को साफ-सुथरा रखने में किया जाएगा।

- चकाचक होगी राजधानी, पहले से 350 गाड़ियों का किया गया है इंतजाम
- सफाई के लिए नई एजेंसी भी खरीद रही 150 गाड़ियां

सफाई व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

रांची नगर निगम के अधिकारी इस बात का दावा कर रहे हैं कि इस योजना से शहर की सफाई व्यवस्था को एक नई दिशा मिलेगी। एक तरफ जहां 200 नई गाड़ियां नगर निगम द्वारा खरीदी जाएंगी, वहीं दूसरी ओर 150 गाड़ियां नई एजेंसी द्वारा लाई जा रही हैं। इस प्रकार कुल 350 नई गाड़ियां सफाई कार्य में जुड़ जाएंगी, जिससे सफाई के काम में तेजी आएगी और पूरे शहर को चकाचक किया जा सकेगा। वहीं पहले से चल रही निगम की 350 गाड़ियों से हर दिन शहर साफ होगा।

एजेंसी को हैंडओवर किए गए हैं सभी वार्ड

रांची नगर निगम ने सफाई कार्य में एक नई एजेंसी को शामिल किया है। यह नई एजेंसी स्वच्छता कॉरपोरेशन 150 नई गाड़ियां लेकर शहर में सफाई का काम करेगी। एजेंसी को सभी वार्ड हैंड ओवर कर दिया गया है। ऐसे में इन गाड़ियों के साथ-साथ नई एजेंसी शहर में सफाई की गुणवत्ता और प्रबंधन को बेहतर करने के लिए कई अन्य कदम उठाएगी। एजेंसी के आने से यह उम्मीद जताई जा रही है कि शहर में सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार होगा और शहर के हर कोने में सफाई का स्तर बेहतर होगा।

पुरानी गाड़ियों को किया जा रहा ईवी में कनवर्ट

नया प्रस्ताव नगर निगम की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो रांची को एक साफ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है। रांची की बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ते कचरे के दबाव को देखते हुए यह योजना बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

राज्यपाल से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज भवन में भेंट की। इस दौरान वार्ता के क्रम में राज्यपाल ने महाशिवरात्रि पर्व के दिन हजारीबाग में घटित हिंसा की घटनाओं की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। इसके अलावा, राज्यपाल महोदय ने राज्य में पेसा कानून को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए शीघ्र नियमावली गठित करने के लिए भी कहा।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते झारखंड में फिर बदलेगा मौसम

RANCHI : पश्चिमी विक्षोभ के चलते राज्य में शुक्रवार से फिर से मौसम में बदलाव होगा। रांची मौसम विभाग के अनुसार यह बदलाव उत्तर भारत में बर्फबारी के कारण होगा। इसका असर राज्य के कई जिलों में दिखाई देगा, जिसमें उत्तर-पश्चिम जिले पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा शामिल है। इन जिलों में शुक्रवार को हल्की बारिश होने की संभावना है। इन इलाकों में बारिश के साथ ओलावृष्टि होने की सम्भावना है। इस दौरान वज्रपात भी होने की आशंका है। मौसम में यह बदलाव एक मार्च को भी देखने को मिलेगा। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.1, जमशेदपुर में 31.1, डालटेनगंज में 30.6 और बोकारो में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

आरोपियों ने पिछले दिनों अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए दाखिल की थी याचिका

जेपीएससी सिविल सेवा घोटाला : सीबीआई कोर्ट ने की 10 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

- कोर्ट ने हरिबंश पंडित, योगेंद्र प्रसाद, प्रवीण रोहित कुजूर एवं बिजय कुमार सहित अन्य को अग्रिम जमानत देने से कर दिया इनकार
- आज अदालत सुनाएगी अपना सुरक्षित आदेश

पूर्व मंत्री सरयू राय को कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

RANCHI : गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में आरोपित पूर्व मंत्री व जदयू विधायक सरयू राय को कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी है। अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के पश्चात पिछले सप्ताह अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला गुरुवार को सुनाया। विधायक सरयू राय ने अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए 13 फरवरी को अर्जी दाखिल की है। मामले में एमपी/एमएलए की विशेष कोर्ट ने पिछले दिनों दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया था। अब कोर्ट ने संबंधित कोर्ट में उपस्थित होकर सरेंडर कर जमानत लेने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है क पूर्व मंत्री ने कोरोना काल में गोपनीय दस्तावेजों के आधार पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को कोरोना काल में किए गए राशि के उपयोग की जानकारी दी थी। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के अवर सचिव विजय वर्मा ने 2 मई 2022 को डोरंडा थाना में भादवि की पांच धाराएं एवं गोपनीय दस्तावेज का लीक करने के तीन धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

PHOTON NEWS @ RANCHI : जेपीएससी प्रथम सिविल सेवा भर्ती घोटाले के आरोपितों को सीबीआई कोर्ट से झटका लगा है। विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने गुरुवार को 10 आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने हरिबंश पंडित, योगेंद्र प्रसाद, प्रवीण रोहित कुजूर एवं बिजय कुमार सहित अन्य को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। आरोपितों ने पिछले दिनों अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। वहीं अजय सिंह बड़ाईक की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत अपना सुरक्षित आदेश 28 फरवरी को सुनाएगी। जबकि सीमा सिंह एवं मोहन लाल मरांडी की याचिका पर मार्च के पहले सप्ताह में सुनवाई होगी। इससे पूर्व अदालत अरविंद कुमार लाल, लखीराम बास्की, संजय पांडे, अंजना दास एवं साधना जयपुरिया की याचिका खारिज कर चुकी है। मामले में अब तक 32 आरोपियों ने अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। इसमें से 10 आरोपितों की याचिका खारिज हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई कोर्ट ने मामले में 16 जनवरी को 47 भ्रष्ट अफसरों सहित 74 लोगों के खिलाफ संज्ञान लेते हुए समन जारी किया था।

दो हॉस्पिटलों को निगम की टीम ने दिया होल्डिंग टैक्स जमा करने का निर्देश

PHOTON NEWS @ RANCHI : गुरुवार को रांची नगर निगम की राजस्व शाखा की टीम ने निगम क्षेत्र में होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस की जांच करते हुए कई प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की। इस दौरान सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार के नेतृत्व में निगम की टीम ने वार्ड नंबर 35 स्थित देवकमल अस्पताल और वार्ड नंबर 33 स्थित सिटी ट्रस्ट अस्पताल की जांच की। जांच में पाया गया कि दोनों अस्पतालों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही तक भुगतान किया है, लेकिन वे पूर्ण होल्डिंग के उपभोग के अनुसार भुगतान नहीं कर रहे थे। इसके अलावा दोनों अस्पतालों के परिसर की मापी की गई, जिसमें क्षेत्रफल में अंतर पाया गया। सहायक प्रशासक ने दोनों अस्पतालों को तीन दिनों के भीतर री-असेसमेंट कर होल्डिंग टैक्स का भुगतान करने का निर्देश दिया।

दोनों संस्थानों ने दी थी गलत जानकारी
3 दिनों का मिला है अल्टीमेटम

मापी के दौरान पकड़ी गई गलती

देवकमल अस्पताल द्वारा पहले 15376.80 वर्ग फुट क्षेत्र का निर्धारण किया गया था, लेकिन मापी के बाद यह क्षेत्रफल 25959 वर्ग फुट पाया गया। इसी तरह सिटी ट्रस्ट अस्पताल ने 22710 वर्ग फुट का क्षेत्र निर्धारित किया था, जबकि मापी में यह क्षेत्रफल 66775 वर्ग फुट पाया गया। इस पर सहायक प्रशासक ने दोनों अस्पतालों को तीन दिनों के भीतर री-असेसमेंट कराने और होल्डिंग टैक्स का भुगतान करने का निर्देश दिया। जांच टीम में सहायक प्रशासक के अलावा नगर प्रबंधक, निगम के कर संग्रहकर्ता और एजेंसी के कर संग्रहकर्ता शामिल थे।

सेंट्रो मॉल ने भरा 12 लाख टैक्स

रांची नगर निगम की टीम ने पिछले दिनों जांच में सेंट्रो मॉल को लेकर कार्रवाई की थी। 15 फरवरी को निगम की टीम ने सेंट्रो मॉल की जांच की थी और प्रबंधन को री-असेसमेंट कराने के साथ होल्डिंग टैक्स का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इसके परिणामस्वरूप 25 फरवरी को सेंट्रो मॉल ने निगम को लगभग 12 लाख रुपये का भुगतान किया, जिसमें पेनल्टी भी शामिल थी। इस भुगतान के बाद मॉल ने अपने टैक्स का समायोजन कर लिया।

हिंदुओं की सुरक्षा में विफल है राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS @ RANCHI : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने महाशिवरात्रि के दिन हजारीबाग में हुई हिंसक घटना को लेकर झारखंड सरकार पर निशाना साधा है। कहा कि झारखंड सरकार हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल हुई है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब हजारीबाग में हिंदुओं के पर्व त्योहार पर हिंसा हुई है। मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में अंधी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अगर हिंदुओं के पर्व त्योहारों में सुनियोजित हमलेबाजी को नहीं रोका गया, तो सनातन हिंदू समाज अपने धर्म, अपने संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम है। मरांडी ने झारखंड पुलिस से अपील की कि वे हजारीबाग के हिंसक घटना में शामिल सभी आरोपियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आइडियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एजुकेशन दलादली में लैंप सेरेमनी का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS @ RANCHI : आइडियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, दलादली रांची ने बीएससी नर्सिंग के चौथे बैच, एएनएम और जीएनएम के छठे बैच के छात्रों के लिए लैंप सेरेमनी आयोजित किया। इस समारोह में 120 नर्सिंग छात्र और छात्राओं ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन समारोह की शुरूआत छात्र, संकाय सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने की। मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी मौजूद थे। वहीं विशिष्ट अतिथि समशेर आलम, उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग और विशेष अतिथि अर्चना तिग्गा मुखिया सपरोम भी मौजूद थे। इसके अलावा डॉ. धेम्मा पीटी पूर्व रजिस्ट्रार जेएनआरसी और डिवाइन कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रिंसिपल के अलावा अन्य मौजूद थे। आइडियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एजुकेशन के निदेशक डॉ. माजिद आलम ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल जे एंजेलिन ने दीप प्रज्वलन समारोह के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समारोह हमारे छात्रों के पेशेवर बनने की यात्रा का प्रतीक है। हम विश्वास रखते हैं कि वे स्वास्थ्य सेवा में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित इरफान अंसारी व अन्य ● फोटोन न्यूज

राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना की मुख्यमंत्री आज करेंगे शुरुआत

PHOTON NEWS @ RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को राज्यकर्मियों और पेंशनरों के लिए राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ विधानसभा के कांफ्रेंस हॉल में करेंगे। इस योजना के लाभुकों और उनके आश्रितों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराया जाएगा। दिव्यांग आश्रितों को आजीवन इस योजना का लाभ मिलेगा। लाभुकों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए पांच लाख रुपये तक की अतिरिक्त सीमा अर्थात कुल 10 लाख रुपये तक चिकित्सा व्यय का वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बीमा राशि से अधिक खर्च होने पर कॉरपस फंड द्वारा भुगतान किया जाएगा। विशेष परिस्थिति में राज्यकर्मी और सेवानिवृत्त कर्मियों का दुर्घटनाग्रस्त अथवा मरणासन्न स्थिति में तत्काल उच्चतर संस्थान में उपचार के लिए रेफर किए जाने की स्थिति में एयर एम्बुलेंस एवं वायुयान यात्रा की सहायता दी जाएगी। विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी उपस्थित रहेंगे।

आरोप | हजारीबाग हिंसा पर भाजपा हुई आक्रामक, हेमंत सरकार पर साधा निशाना

पांच वर्षों की नीतियों और सोच का परिणाम है हिंसा : अजय साह

PHOTON NEWS @ RANCHI

हजारीबाग जिले के इचाक में महाशिवरात्रि के दिन हुई हिंसा को लेकर भाजपा ने गुरुवार को राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस हिंसा को सिर्फ एक दिन की घटना नहीं, बल्कि पिछले पांच वर्षों की नीतियों और सोच का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि यह हिंसा झारखंड को भीतर से कमजोर करने की लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है, जो कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की तुष्टिकरण नीति के कारण बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और जेएमएम की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति राज्य में अराजकता का कारण बन रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जबरन स्कूलों को शुक्रवार को बंद करवाना, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण देना, स्लीपर सेल को राजनीतिक संरक्षण देना, आदिवासी लड़कियों को ह्यलव जिहाद का शिकार बनाना, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे संगठनों का विस्तार और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण को बढ़ावा देना इस नीति का हिस्सा हैं। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण की कई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे राज्य की सांप्रदायिक स्थिति खराब हो रही है।

हिंसा झारखंड को भीतर से कमजोर करने की लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है, जो कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की तुष्टिकरण नीति के कारण बढ़ी है।

रांची में भी हुआ था दंगा

अजय साह ने यह भी कहा कि 2022 में रांची में हुए दंगे को लेकर सरकार अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। उन्होंने कहा कि राजधानी में दिनदहाड़े उपद्रव हुआ था, लेकिन आज तक यह स्पष्ट नहीं हो सका कि इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन था। ये घटनाएं यह संकेत देती हैं कि उपद्रवियों को यह आभास है कि राज्य सरकार उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करेगी, जिससे उनका मनोबल बढ़ रहा है।

दोषियों की पहचान लेकिन कार्रवाई नहीं

हजारीबाग हिंसा पर उन्होंने हैरानी जताई कि जबकि दोषियों की पहचान स्पष्ट हो चुकी है, सरकार के एक मंत्री हिंदू समाज को परोक्ष रूप से धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि झारखंड सरकार अपनी तुष्टिकरण की नीतियों को तुरंत नहीं बदलती, तो राज्य उपद्रवियों के नियंत्रण में चला जाएगा। अजय साह ने कहा कि भाजपा राज्य में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए किसी भी कदम से पीछे नहीं हटेगी।

झारखंड में बढ़ रहे आतंकवादी संगठन

अजय साह ने आगे कहा कि हेमंत सरकार की तुष्टिकरण नीति ने झारखंड में आतंकवादी संगठनों को बढ़ने का अवसर दिया है। उन्होंने राज्य में अल-कायदा के आतंकवादी संगठन के विस्तार का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार के किसी भी मंत्री ने डॉ इशितयाक अहमद के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जो राज्य में अल-कायदा को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। इससे यह साफ होता है कि राज्य सरकार की तुष्टिकरण नीति से आतंकी संगठन भी लाभान्वित हो रहे हैं।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन का महाधिवेशन शुरू, आज होगा चुनाव

PHOTON NEWS @ RANCHI : झारखंड पुलिस एसोसिएशन का दो दिवसीय महाधिवेशन गुरुवार से प्रारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया। इस अवसर पर आईजी अनूप बिरथरे, डीआईजी नौशाद आलम सहित एसोसिएशन के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। डीजीपी ने पुलिस अफसरों को यह भरोसा दिलाया और वादा किया कि झारखंड पुलिस में जो भी प्रमोशन के काम बाकी हैं उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रांसफर-पोस्टिंग में भी पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। डीजीपी ने कहा कि राज्य में सैकड़ों की संख्या में पुलिस अफसर और कर्मी मौजूद हैं, जिनकी समस्याओं को एक-एक कर के सुनना बड़ा ही कठिन काम है। ऐसे में झारखंड पुलिस एसोसिएशन और मेंस एसोसिएशन दो ऐसे संगठन हैं जिनके जरिए हम पुलिस अफसरों और कर्मियों की समस्याओं से अवगत होते हैं और फिर उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। डीजीपी ने नए चुनाव के लिए सभी को बधाई दी और कहा कि जो लोग भी चुनकर आएं अपने साथियों के हित के लिए आगे काम करें। महाअधिवेशन के दौरान वर्तमान अध्यक्ष योगेंद्र सिंह सहित तमाम संगठन के पुलिस पदाधिकारियों ने डीजीपी के सामने अपनी कई मांगें रखी और पुलिस कल्याण के लिए उनके सहयोग की आकांक्षा जताई।

समाचार सार

टीएसी के सदस्य बने जगत माझी व सोनाराम सिंकू

CHAIBASA : जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएसी) का पुनर्गठन किया गया है, जिसके 19 सदस्यीय कमेटी में मनोहरपुर के विधायक जगत माझी व जगन्नाथपुर के विधायक सोनाराम सिंकू सदस्य बनाए गए हैं। जनजातीय सलाहकार परिषद (टीएसी) को आदिवासियों की मिनी विधानसभा भी कहा जाता है। परिषद के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं।

जगत माझी

सोनाराम सिंकू

परिषद राज्य में अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और उनसे संबंधित विषयों पर निर्णय लेती है। नवगठित टीएसी में पदेन उपाध्यक्ष विभागीय मंत्री चमरा लिंडा होंगे। इसके अलावा कमेटी में विभिन्न दलों के विधायकों को शामिल किया गया है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन भी बतौर सदस्य शामिल हैं। गौरतलब हो कि विधायक जगत माझी को कुछ दिनों पूर्व झारखंड विधानसभा की लोक-लेखा समिति के सदस्य के रूप में भी स्थान दिया गया है।

विधानसभा में उठा आहर-बांध का मुद्दा

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने गुरुवार को विधानसभा में कराईकेला स्थित आहर-बांध के जीर्णोद्धार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बंदगांव प्रखंड में 70 एकड़ में फैला आहर-बांध समय-समय पर गहरीकरण नहीं होने से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इस तालाब से चक्रधरपुर प्रखंड तक कृषि होती है। इस पर संबंधित विभाग के मंत्री ने कहा कि योजना के सर्वेक्षण, बजटीय प्रावधान और निधि की उपलब्धता को देखते हुए आगामी वर्षों में जीर्णोद्धार कराया जा सकेगा।

मृत मजदूर के परिवार से मिले विधायक प्रतिनिधि

GHATSILA : भादूडीह गांव का निवासी गणेश हांसदा बेंगलुरु में काम करने गया था। 53 वर्षीय गणेश हांसदा की 26 फरवरी को जयनगर, बेंगलुरु में निधन हो गया था। मंत्री रामदास सोरेन के प्रयास से मृतक का शव हवाई मार्ग से गुरुवार को रांची लाया गया, फिर रांची से भादूडीह लाया गया। मंत्री ने अपने प्रतिनिधि जगदीश भकत को शोकाकुल परिवार से मिलने का निर्देश दिया था। भकत ने मृतक की पत्नी ललिता हांसदा एवं पुत्री अंजलि हांसदा सहित परिवार के अन्य सदस्यों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। मृतक के परिवार को सरकार की ओर से समुचित योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा दिया।

बच्चों को दी गई पाठ्य सामग्री व उपहार

JAMSHEDPUR : छोटागोविंदपुर के सुंदरहातू स्थित बिरसा प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को अक्षर फाउंडेशन की ओर से छात्र-छात्राओं को पाठ्य साम्री व उपहार भेंट किए गए। संगीतमय स्ववेंद कथामृत के प्रवर्तक पूज्य संत प्रवर विज्ञानदेव जी महाराज के ज्येष्ठ सुपुत्र अक्षर देव का जन्मदिन मनाया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, पेंसिल बॉक्स, टिफिन बॉक्स, चॉकलेट, बिस्कुट, बॉल व पानी की बोतल वितरित की गई।

बांधडीह गांव में 16 प्रहर हरिनाम संकीर्तन

GHATSILA : प्रखंड के कालचिति पंचायत अंतर्गत बांधडीह गांव में 16 प्रहर हरिनाम संकीर्तन चल रहा है। इसमें गुरुवार को जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू भी शामिल हुईं। इस मौके पर पुरुलिया व मेदिनीपुर से भी कीर्तन मंडली भाग ले रही है। संकीर्तन सुनने के लिए दूरदराज से लोग पहुंच रहे हैं। संकीर्तन को सफल बनाने में माधव महतो, दुर्लभ मन्ना, शत्रुघ्न सिंह, मंगल गोराई, कृष्ण कैबर्त, गौरांग नामाता, मनोहर सिंह, फूलचंद भुईयां, मुचीराम सिंह, काशीनाथ मन्ना, राधानाथ गोराई, हीरालाल मन्ना, अभी कैबर्त, जयदेव सिंह समेत अन्य श्रद्धालु सक्रिय हैं।

कांग्रेस ने मंत्री राधाकृष्ण किशोर को सौंपी जिम्मेदारी

CHAIBASA : विधायक दल के नेता प्रदीप यादव की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में प्रदेश प्रभारी के. राजू के निदेर्शानुसार मंत्रियों व विधायकों को प्रमंडलवार दायित्व सौंपा गया है। इसमें विधायकों को दो-दो जिला का दायित्व सौंपा गया है। जो प्रतिमाह संबंधित प्रमंडल तथा जिलों में जिला कमेटी की बैठक में भाग लेंगे और संगठन को ग्रासरूट तक ले जाने का काम करेंगे।

फर्जी भर्ती गिरोह का हुआ भंडाफोड़

सेना समेत कई विभागों में भर्ती के नाम पर ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

पत्रकारों को फर्जीवाड़े की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने सेना, रेलवे, आरपीएफ और एफसीआई समेत केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में चास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी निवासी मनीष कुमार उर्फ अभय कुमार, पश्चिम बंगाल के आसनसोल नॉर्थ का दिनेश कुमार, कसमार थाना क्षेत्र के बगदा गांव का दीपराज कुमार भट्टाचार्य और टांगटोना बगियारी गांव का मंतोष कुमार महली शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से इंडियन आर्म्ड फोर्सेज का फर्जी आईडी कार्ड, जिसमें चीफ इंजीनियर की मुहर लगी हुई थी, एक आधार कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, एक पैन कार्ड, एक बिना नंबर प्लेट की सफेद वैगन-आर कार, भारतीय सेना की फर्जी पिस्टल और 30 गोली बरामद की है।

कैसे हुआ मामले का खुलासा : एसएसपी किशोर कौशल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस मामले में बिष्टुपुर थाने में केस दर्ज किया गया था। लखनऊ स्थित मिलिट्री इंटेलिजेंस ने भी जांच करने के लिए कहा था। इसके बाद सीसीआर-डीएसपी मनोज कुमार ठाकुर के नेतृत्व में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई। टीम ने इस गिरोह का पदार्फाश करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर युवक की मौत जांच में जुटी पुलिस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में मनोहरपुर प्रखंड के जराईकेला थाना क्षेत्र के रायकापाट के टुंगरीटोला गांव के पास बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात अमित टूटी मनोहरपुर से अवैध तरीके से ट्रैक्टर पर बालू लेकर जा रहा था। इसी दौरान जराईकेल थाना अंतर्गत रायकापाट के टुंगरीटोला के पास बालू लदे ट्रैक्टर का डाला अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे अमित टूटी की ट्रैक्टर ट्रॉली के चपेट में आकर घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर मालिक ट्रैक्टर का इंजन खोल कर फरार हो गया। इधर घटना की जानकारी परिजनों को मिली, तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। शाम तक ट्रैक्टर मालिक का पता नहीं चल पाया। जराईकेला थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

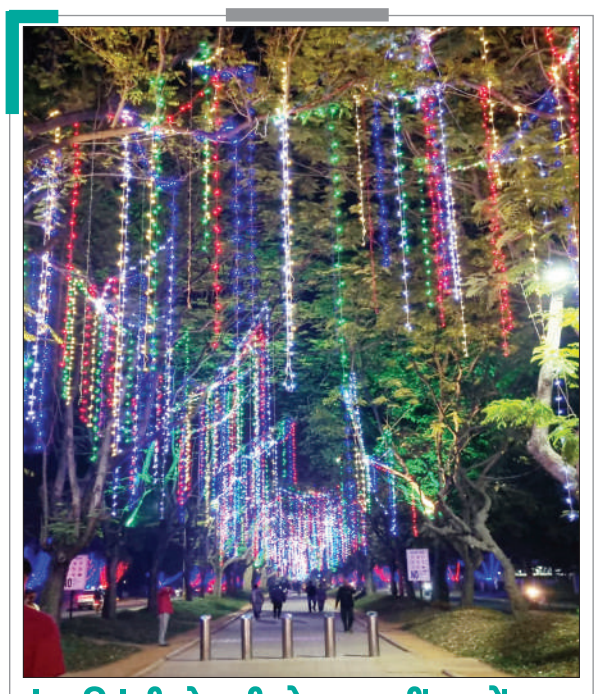

रंग-बिरंगी रोशनी से सज रहीं सड़कें

टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा की जयंती के लिए जुबिली पार्क समेत पूरे शहर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। इसकी बानगी गुरुवार को कदमा-सोनारी लिंक रोड पर कुछ इस तरह दिखी। शाम होते ही जब लोग इस सड़क से गुजरते समय एकबारगी ठिठक जा रहे थे। हर कोई इस खूबसूरत नजारे को अपने मोबाइल में कैद कर रहा था। ● फोटोन न्यूज

बर्मामाइंस थाने से महज 50 मीटर दूर सीआरपीएफ जवान के बंगले में चोरी

PHOTON NEWS JSR : बर्मामाइंस थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित बंगला नंबर-12बी में चोरी हो गई। यह बंगला सीआरपीएफ जवान मनीष कुमार तिवारी का है, जो अपने परिवार के साथ यहां रहते हैं। 5 फरवरी को मनीष तिवारी अपने परिवार संग उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ स्थित गांव गए थे। गुरुवार को जब वे लौटे, तो पाया कि उनके घर में चोरी हुई है। तिवारी के अनुसार, चोरों ने 25 हजार रुपये नकद समेत करीब तीन लाख रुपये के कीमती सामान चुरा लिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके। बावजूद इसके, थाने से महज कुछ कदम की दूरी पर हुई इस चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चोरी के बाद बिखरे सामान देखते परिवार के लोग ● फोटोन न्यूज

बाइक से गिर कर युवक की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के मंझारी प्रखंड में भरभरिया गांव निवासी 22 वर्षीय बादल रिमिल बिरूवा की बाइक से गिर कर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात को बादल चाईबासा से अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में तांतनगर में उलीडीह के पास बाइक समेत गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कुछ देर बाद किसी ने देखा तो उसे देर रात में ही सदर अस्पताल चाईबासा लाया गया। वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार की सुबह सदर थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने भेजा। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया।

चाकुलिया की मॉब लिंचिंग के बाद प्रशासन हुआ अलर्ट

घाटशिला के प्रखंड कार्यालय में बैठक करतीं बीडीओ युनिका शर्मा

GHATSILA : चाकुलिया में 21 फरवरी की रात को ग्रामीणों ने बकरी चोरी के आरोप में 2 युवकों को पीट-पीटकर मार दिया था। इसे लेकर प्रखंड कार्यालय सभागार में मॉब लिंचिंग रोकने के लिए गुरुवार को बैठक हुई। इसमें बीडीओ युनिका शर्मा ने कहा कि सभी पंचायत के मुखिया अपने द्वारा माइकिंग के माध्यम से मॉब लिंचिंग रोकने के लिए प्रचार-प्रसार करें। इसके साथ ही किसी भी तरह की अफवाह पर भीड़ जुटती है, तो प्रशासन के साथ पंचायत प्रतिनिधि तथा ग्राम प्रधान आगे जाकर पहल करें। उन्होंने कहा कि वाट्सएप ग्रुप पर भी कोई अफवाह फैलाता है, तो उस ग्रुप के एडमिन उस संदेश को रोकें और ग्रुप के सदस्य को चेतावनी दें, नहीं तो ग्रुप एडमिन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी इस पर अपने विचार रखे। बैठक में पुलिस इंस्पेक्टर बैद्यनाथ कुमार, थाना प्रभारी मधुसूदन दे, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, प्रमुख सुशीला टुडू, उप प्रमुख गोपाल कृष्ण अग्रवाल सहित मुखिया तथा ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

डीआरएम, खड़गपुर ऑफिस में एसयूसीआई का प्रदर्शन

खड़गपुर में रेल मंडल कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते लोग

GHATSILA : रेल से संबंधित विभिन्न जन समस्याओं को लेकर गुरुवार को एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने डीआरएम ऑफिस, खड़गपुर में प्रदर्शन किया। इसमें खड़गपुर डिवीजन क्षेत्र के जगह-जगह से काफी संख्या में रेल यात्री व आम जनता ने भाग लिया। संगठन की मांगों में ट्रेनों का समय सारणी के अनुसार परिचालन करने, लोकल ट्रेनों को एक्सप्रेस बनाकर भाड़ा वृद्धि नहीं करने, आधारभूत संरचना में सुधार करने, रेलवे को निजी हाथों में नहीं देने, पुरुलिया-झाड़ग्राम ट्रेन को नियमित करने, धालभूमगढ़ 5 नंबर प्लेटफार्म से लेकर एक्सटेंशन फुट ओवरब्रिज का निर्माण करने, धालभूमगढ़ में रेलवे अंडरपास के निर्माण, धालभूमगढ़ में इस्पात तथा स्टील दोनों ट्रेनों का ठहराव देने आदि शामिल हैं। पश्चिम बंगाल, राज्य कमेटी के सदस्य सह मेदिनीपुर जिला के सचिव नारायण अधिकारी ने कहा कि हमारी मांगों पर जल्द पहल नहीं हुई, तो चरणबद्ध जन आंदोलन तेज किया जाएगा। इस मौके पर पानमोनो सिंह, श्रीमंत बारिक, सुजीत जाना, रविंद्रनाथ मैती, सुमन पाल, कृष्णचंद्र साव, कृष्णचंद्र मनकी, सरला मुंडा, मिल्की मुंडा आदि भी उपस्थित थीं।

पत्नी की हत्या का आरोपी 6 साल से फरार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना अंतर्गत मेहरोमहोनर टोला जोजोसाई निवासी सुरीन बिरूवा उर्फ सुरेंद्र बिरूवा अपनी पत्नी की हत्या कर 6 साल से फरार है। पुलिस के दबाव दिए जाने के बाद भी आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं किया, तो पुलिस ने गुरुवार को आरोपी के घर पर इश्तेहार लगाया। पुलिस ने इश्तेहार में कहा है कि पिछले 6 साल से आरोपी सुरीन बिरूवा उर्फ सुरेंद्र बिरूवा फरार है। उसे एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर उसके घर की कुर्की-जब्ती की जाएगी। बता दें कि सुरीन बिरूवा ने वर्ष 2019 में अपनी पत्नी जींगी कुई की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

दुर्घटनाओं के 17 मामलों में अनुदान राशि स्वीकृत

वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक करते उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ● फोटोन न्यूज

SERAIKELA : उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को जिलास्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित बैठक में विभिन्न दुर्घटनाओं से संबंधित 17 प्राप्त आवेदनों पर चर्चा हुई, जिसमें अनुग्रह अनुदान की राशि स्वीकृत कर दी गई।

उपायुक्त ने प्राकृतिक आपदा अंतर्गत पीड़ित परिवार को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत, उपविकास आयुक्त सह परियोजना निदेशक आईटीडीए आशीष अग्रवाल, सहायक सम्हार्ता कुमार रजत, अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला सदानंद महतो, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी निवेदिता नियति, सिविल सर्जन डॉ. अजय सिन्हा व सभी अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

टाटा कंपनी के विस्थापित 3 मार्च को करेंगे जुबिली पार्क का गेट जाम

JAMSHEDPUR : टाटा कंपनी के विस्थापितों ने गुरुवार को डीसी ऑफिस के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इसमें विस्थापितों ने पुनर्वास, मुआवजा, नौकरी, विस्थापित प्रमाण पत्र, जमीन वापसी और 1996 के सर्वे खतियान को रद्द करने की मांग उठाई। विस्थापितों ने कहा कि वे दर-दर भटक रहे हैं और कंपनी द्वारा उपयोग नहीं की जा रही जमीनों पर बाहरी लोग कब्जा कर रहे हैं। प्रदर्शन में टाटा कंपनी के अलावा डिमना डैम के विस्थापित भी पहुंचे थे। विस्थापितों ने चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता है, तो 3 मार्च को जुबिली पार्क का गेट जाम किया जाएगा। कार्यक्रम में हरमोहन महतो, दीपक रंजीत, कुमार चंद मार्डी, प्रह्लाद गोप, नरेन सिंह, साधन पंडा, सितराम हेंब्रम, आशीष गौड़, अशीम प्रधान, रामचंद्र महतो, कुदरी बोदरा, टसे हो, घासीराम गोप, तपन पांडा, कांशीनाथ प्रधान आदि भी उपस्थित थे।

पासिंग आउट परेड में कंपनी के अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला, दी शुभकामना

टाटा स्टील की पहली महिला फायर फाइटर्स हुईं तैयार

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील ने आज पहली महिला फायर-फाइटर्स बैच की पासिंग आउट परेड आयोजित की, जो समावेशिता और विविधता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस अवसर पर चाणक्य चौधरी (वाइस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सर्विसेज), अत्रयी सान्याल, (वाइस प्रेसिडेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट), संजीव कुमार चौधरी (प्रेसिडेंट, टाटा वर्कर्स यूनियन) और जया सिंह पांडा (चीफ, लर्निंग एंड डेवलपमेंट व चीफ डायवर्सिटी ऑफिसर) भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में टाटा स्टील के चीफ, सिक्योरिटी एंड ब्रांड प्रोटेक्शन अरविंद कुमार सिन्हा ने अन्य अतिथियों व फायर-फाइटर्स के परिजनों के साथ उनका स्वागत किया।

पासिंग परेड में शामिल टाटा स्टील की महिला फायर फाइटर्स ● फोटोन न्यूज

चाणक्य चौधरी ने महिला फायर-फाइटर्स का हौसला बढ़ाने और इस खास मौके पर शामिल होने के लिए परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने फायर फाइटिंग और रेस्क्यू ऑपरेशंस में आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इन उपकरणों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉक ड्रिल आवश्यक है।

अपने संबोधन में अत्रयी सान्याल ने महिला फायर-फाइटर्स को कार्य और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने परेड के दौरान उनके अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

अरविंद कुमार सिन्हा ने 'फ्लेम्स ऑफ चेंज' पहल के महत्व को समझाते हुए बताया कि यह टाटा स्टील की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान फायर सर्विसेज में सांस्कृतिक बदलाव लाने के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने दर्शकों को जानकारी दी कि इन महिला फायर-फाइटर्स को जमशेदपुर स्थित फायर एंड सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर में गहन प्रशिक्षण दिया गया, जिसके बाद उन्हें एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, कोलकाता के सहयोग से 16 सप्ताह का विशेष सर्टिफिकेशन कोर्स भी कराया गया।

जया सिंह पांडा ने टाटा स्टील में विविधता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन की समावेशी संस्कृति को और सशक्त बनाता है। उन्होंने महिला फायर-फाइटर्स के समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

संजीव कुमार चौधरी ने महिला फायर-फाइटर्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और समुदायों के प्रति फायर सर्विसेज द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दौरान सर्वश्रेष्ठ और द्वितीय सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, इन-हाउस प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

टेल्को के राम मंदिर में नृत्य की प्रस्तुति ने मोह लिया मन

PHOTON NEWS JSR : श्री शिव शक्ति परिवार के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर टेल्को स्थित श्रीराम मंदिर में गुरुवार को गरीबधाम से पधारे अलोकनाथ योगी और चित्रकूट धाम से पधारे रामसलोने महाराज ने शिव विवाह प्रसंग को विस्तार से बताया। दोपहर 2 बजे दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि एपीएस निम्बाडिया ने किया। स्थानीय बाल, महिला, कैलाशियों द्वारा वेशभूषा धारण कर शिव, राम, कृष्ण आदि देवताओं पर आधारित लोकनृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। दर्शक दीर्घा तालियों से लगातार गूंजती रही। बिहार-झारखंड समेत 13 राज्यों से पधारे 85 कैलाशियों को अंगवस्त्र, मेमेंटो आदि प्रदान कर सम्मानित किया गया। शुक्रवार को देवघर से पधारे गर्भगृह पुजारी शशि मिश्र और शिव डाक भक्त राम सागर बाबा भी उपस्थिति रहेगी। सुबह 11 बजे से 20 हजार भक्तों के लिए विशाल भंडारा का आयोजन और दोपहर 2 बजे से दिव्य व भव्य शिव बारात का नगर भ्रमण होगा। इसमें मुख्य आकर्षण 41 फीट लंबा कांवर, 12 फीट लंबा त्रिशूल, 21 विद्युत त्रिशूल, 6 फीट ऊंचा डमरू, 6 फीट लंबा और 4 फीट ऊंचा नंदी आकर्षण का केंद्र होगा। इस बार महाकुंभ का प्रतिरुप समुद्र मंथन लोगों को विशेष आकर्षित करेगा। बारात में घोड़ा, रथ, भूत-प्रेत, ट्रेलर पर कलाकारों द्वारा लाइव नृत्य और गीत का आयोजन किया जाएगा। रात्रि में 9 बजे कार्यक्रम का समापन एक बार पुनः शिव-पार्वती वरमाला के साथ संपन्न होगा। इस मौके पर कैलाशी विजय शर्मा, संतोष कुमार, अजय कुमार, मीना सिन्हा, रजनी सिंह, विनोद, बालमुकुंद, उमेश मंडल, उदय, नागेंद्र राय आदि उपस्थित थे।

टेल्को स्थित राम मंदिर में अतिथि व आयोजक ● फोटोन न्यूज

डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को इस तरह के खाने की होती है क्रेविंग

अवसाद से जूझ रहे लोगों को कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से भी संबंध हो सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक लगातार उदास मनोदशा से ग्रस्त रहने वाले अवसाद के रोगियों को भूख भी कम लगती है लेकिन जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर अवसाद से ग्रस्त लोगों में कभी-कभी भोजन के प्रति लालसा उत्पन्न हो जाती है।

इस अध्ययन के शोधकर्ता एवं बॉन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बॉन में चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर निल्स क्रोमर ने कहा, ''इन परिवर्तनों के कारण शरीर के वजन में भी बदलाव हो सकता है।'' साइकोलॉजिकल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में 117 प्रतिभागियों के समूह को शामिल किया गया - जिनमें से 54 अवसादग्रस्त जबकि 63 स्वस्थ थे।

इन लोगों को खाद्य संकेत प्रतिक्रिया कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसमें 60 खाद्य पदार्थों और 20 गैर-खाद्य पदार्थों को इस आधार पर रेटिंग दी गई कि वे उसे चाहते हैं या पसंद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसादग्रस्त लोगों में भोजन की इच्छा कम होती है, लेकिन पसंद में कमी नहीं आती।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, '' गंभीर अवसाद से ग्रस्त रोगियों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में उच्च वसा और उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को कम पसंद किया और कम रेटिंग दी।卐 उन्होंने यह भी पाया कि ऐसे रोगियों के बीच वसा और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे दूध चॉकलेट के प्रति भी अधिक लालसा थी।

नीदरलैंड के मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा लिली थर्न ने कहा कि जबकि कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा आम तौर पर अधिक भूख से संबंधित होती है, अध्ययन से पता चला है कि कार्बोहाइड्रेट की लालसा अवसाद की समग्र गंभीरता, विशेष रूप से चिंता के लक्षणों से अधिक संबंधित है।

क्या टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए दवा समान है इमली?

आज के समय में डायबिटीज और मोटापे से पीड़ित लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है. ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का बेहद ध्यान रखना पड़ता है. एक बार यदि किसी इंसान को डायबिटीज हो जाए, तो उसे अपनी जीवनशैली में कई बदलाव करने पड़ते है, इसके साथ ही उन्हें अपने आहार में भी कुछ बदलाव करने पड़ते हैं, इसके अलावा, उन्हें नियमित दवाइयों का इस्तेमाल करना भी बंद नहीं करना पड़ेगा. यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति शुरू से ही अतिरिक्त सावधानी बरतने बेहद जरूरी है.

बहुत से लोगों के मन इस बात को लेकर संदेह रहता है कि क्या डायबिटीज मरीज इमली का सेवन कर सकते हैं. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि इमली के सेवन से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है या इससे कंट्रोल होता है, इस बारे में शोध क्या कहता है...

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद या नुकसानदायक

शोध के मुताबिक, अन्य फलों की तरह इमली भी हमारे शरीर को कई लाभ प्रदान करती है. इमली में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों भरपूर मात्रा में पाई जाती है. जब बात डायबिटीज मरीजों की आती है तो इमली का सेवन करना उनके लिए बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को ऑब्जर्व होने से बचाती है.

इमली डायबिटीज रोगियों में पैनक्रियाटिक टिश्यू की क्षति को ठीक करती है. इमली में मौजूद फाइबर और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह विशेष रूप से टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए फायदेमंद है. इमली इंसुलिन के स्राव को बढ़ाती है. जर्नल ऑफ मेडिसिनल फूड में प्रकाशित 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि इमली का रस इंसुलिन रिलीज को बढ़ाता है और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में सूजन को कम करने में मदद करता है.

इमली से मजबूत होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : इमली में कुछ ऐसे एसिड होते हैं जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. पेट दर्द या डायरिया में भी यह कारगर है. इमली के सेवन से दिल स्वस्थ रहता है. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे दिल की धमनियों के ब्लॉक होने का खतरा कम होता है. इमली में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाने में भी मदद करती है

इमली के अन्य लाभ क्या हैं?

इमली हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में मौजूद खनिजों को शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित करने में मदद करती है. शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है.

इमली शरीर में अपच को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

इमली ब्यूटी केयर में भी बहुत उपयोगी है. इमली मुंहासे और दाग-धब्बे जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने से लेकर चेहरे की चमक बढ़ाने तक हर काम के लिए उपयोगी है.

इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. इमली खाने से शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है. आयरन की कमी दूर होती है.

इमली में मौजूद म्यूसिलेज, पेक्टिन और अरेबिनोज पाचन प्रक्रिया को तेज करते हैं. यह आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया के उत्पादन को बढ़ाता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे खास तौर पर कब्ज से राहत मिलती है.

एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स यूज करने की क्या है सही उम्र, जानिए किन बातों का रखना चाहिए ख्याल

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा के लिए मौसम और उम्र के साथ स्किन केयर में बदलाव करना बहुत जरूरी है। हर उम्र में स्किन की जरूरत अलग-अलग हो सकती है। वैसे तो स्किन केयर में शामिल करने के लिए आपको कई प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप उम्र और स्किन टाइप के मुताबिक उन्हें नहीं चुनेंगे तो उनके इस्तेमाल से आपको कोई फर्क नहीं दिखेगा। बात जब एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने की होती है तो अधिकतर लोग कंफ्यूजन में रहते हैं कि आखिर इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किस उम्र से करें। अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है तो जानिए एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र और इस्तेमाल करते समय किन बातों को ध्यान में रखें।

क्या है एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र?

एक्सपर्ट के मुताबिक एंटी-एजिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल शुरू करने की सही उम्र 25 के बाद या 30 की शुरुआत तक है। क्योंकि यह वह समय है जब त्वचा का प्राकृतिक कोलेजन उत्पादन स्लो होने लगता है और उम्र बढ़ने के पहले लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में एक सही एंटी एजिंग क्रीम आपकी कई स्किन प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकती है।

किन बातों का रखें ध्यान

1) किसी भी एंटी एजिंग प्रोडक्ट खरीदने से पहले अपनी स्किन टाइप को जानें और उसी के मुताबिक प्रोडक्ट को चुनें।

2) एंटी एजिंग क्रीम सही उम्र में लगाना शुरू कर देना चाहिए। तभी ये प्रोडक्ट समय से पहले आने वाले एजिंग साइन को रोकने में मदद करेंगे।

3) भले ही आपको चेहरे पर झुर्रियां दिखाई न दें, फिर भी एक उम्र के बाद एंटी एजिंग प्रोडक्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करके आने वाले समय में एजिंग के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।

4) कम उम्र में एंटी-एजिंग प्रोडक्ट एजिंग साइन के लक्षणों को उलटने के बजाय झुर्रियों को रोकने और त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करते हैं।

आइब्रो बनवाने के बाद होने वाली जलन से राहत देंगे ये 3 घरेलू उपाय, अगली बार खुशी से जाएंगी पार्लर

अकसर आईब्रो बनवाने के बाद महिलाएं त्वचा पर दाने निकलने, रेडनेस, जलन और दर्द की शिकायत करती हैं। ऐसा ज्यादातर वैक्सिंग या थ्रेडिंग के दौरान त्वचा को महसूस होने वाले खिंचाव की वजह से हो सकता है। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन इसका असर कई घंटों तक महिलाओं के चेहरे पर बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई बार दवा से लेकर घरेलू उपाय तक आजमाती रहती हैं। अगर आपको भी इस तरह की समस्या हर बार आईब्रो बनवाते समय झेलनी पड़ती है तो ये घरेलू उपाय आपकी मुश्किल को दूर करके राहत पहुंचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

थ्रेडिंग के बाद दर्द और जलन से निजात दिलाएंगे ये उपाय

ठंडा पानी

थ्रेडिंग के बाद त्वचा में होने वाली जलन और दर्द से राहत पाने के लिए आपको सबसे पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोना चाहिए। इसके अलावा आप प्रभावित जगह पर आइस पैक को एक कपड़े में लपेटकर 15 मिनट तक जलन वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाकर सूजन,जलन और लालिमा को कम करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल को त्वचा पर लगाकर थोड़ी देर मसाज करें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे का रस

खीरे का रस त्वचा को ठंडक और राहत देता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जलन को कम करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खीरे के टुकड़े काटकर प्रभावित जगह पर रगड़ें या फिर खीरे का रस निकालकर त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं। तय समय बाद चेहरा पानी से अच्छी तरह धो लें।

गुलाब जल

गुलाब जल भी त्वचा की जलन को शांत करने में फायदेमंद हो सकता है। गुलाब जल के इस उपाय को करने के लिए रूई में गुलाब जल डालकर प्रभावित क्षेत्र पर कुछ देर लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

आमलेट या उबले अंडे? स्वास्थ्य के लिए क्या है बेहतर?

अंडा एक संपूर्ण भोजन है. कई लोग नाश्ते में अंडे खाना पसंद करते हैं. अंडे खाना स्वास्थ्यवर्धक है. इसमें प्रोटीन, 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं. नियमित रूप से अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है. लेकिन कुछ लोगों को ऑमलेट खाना पसंद है. वे नाश्ते में ऑमलेट खाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि उबले अंडे में ऑमलेट की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं?

उबले अंडे : वेबएमडी के अनुसार, उबले अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है. यह मांसपेशियों की वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी है. इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ-साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं. जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है. अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन एक उबला अंडा खाने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है.

मस्तिष्क स्वास्थ्य : उबले अंडे मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं. अंडे में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला पोषक तत्व कोलीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक टीम द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है। इसके अलावा, उबले अंडे कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं.

ऑमलेट : ऑमलेट अंडे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन है. कई लोग ऑमलेट बनाने के लिए उसमें हरी मिर्च, हल्दी, प्याज और अन्य सब्जियां मिलाते हैं. कुछ लोग इसमें पनीर भी मिलाते हैं. इन सभी सामग्रियों को मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है. इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है. तेल और पनीर जैसी चीजें खाने से कैलोरी बढ़ जाती है. शरीर में अनहेल्दी फैट जमा हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है.

स्वास्थ्य के लिए कौन सा बेहतर है?

स्वास्थ्य के लिए अच्छा : उबले अंडे में सभी पोषक तत्व होते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि उबले अंडे ऑमलेट की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं.

अधिक स्वादिष्ट : एक ऑमलेट उबले अंडे से अधिक स्वादिष्ट होता है.

पौष्टिक तत्व : ऑमलेट में सब्जियां डालने से उसका पौष्टिक मूल्य बढ़ जाता है. लेकिन इसमें कैलोरी अधिक होती है.

उबले अंडे या ऑमलेट खाने के फायदे व्यक्ति के शरीर की जरूरतों पर निर्भर करते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए उबले अंडे खाना अच्छा है. विशेषज्ञों का कहना है कि ऑमलेट उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो समान पोषक तत्व अधिक मात्रा में प्राप्त करना चाहते हैं.

उबले अंडे खाने के फायदे

वजन घटाने के लिए फायदेमंद

पाचन संबंधी समस्याओं का सही समाधान

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मस्तिष्क के कार्य के लिए लाभदायक

मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

ऑमलेट खाने के फायदे

स्वस्थ वसा प्राप्त होती है

फायबरसमृद्ध पोष्टिक पदार्थ

पालक से भरा ऑमलेट शरीर में आयरन बढ़ाता है

ढेर सारी सब्जियों से बने ऑमलेट विटामिन सी का अच्छा स्रोत हैं

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है।

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 2023 में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई ह्यविज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

'आप' के लिए सबक

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई। कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती हैङ्क और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है। पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया। उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ। यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईड़ी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा। यह रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेज दी गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने पर शेष स्थितियां उजागर होंगी। लेकिन आप की सरकार अपने ऊंचे-ऊंचे वादों, विचारों के पैमानों पर असफल हुई और दुखद यह है कि पराजय के बाद भी उसके नेताओं ने सबक नहीं लिया है। वे शुद्ध राजनीति पर लौटने की बजाय हंगामा खड़ा करने में अब भी ज्यादा भरोसा किए हुए हैं।

सूक्ति

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे
- अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है
- एलेअनोर रूज़वेल्ट

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।'

पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

कुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

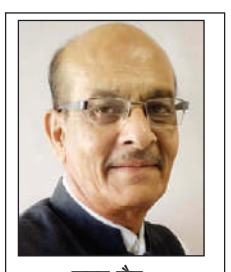

सनत जैन

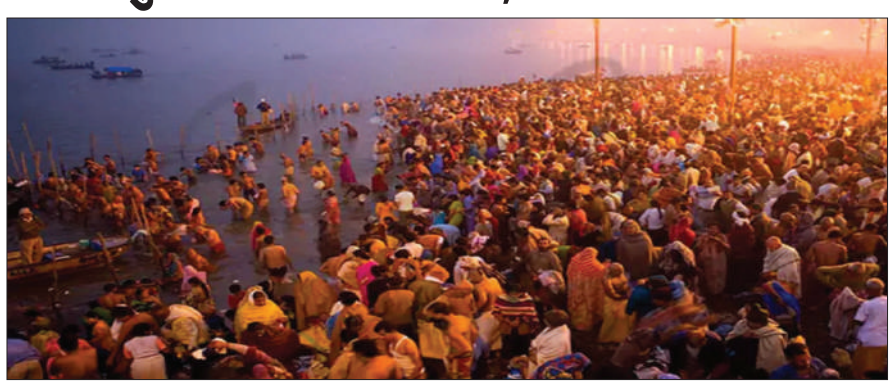

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व मैं जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोडों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मो के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है। 84 लाख योनियों के साथ जियो और जीने दो का भाव रखती है। सभी एक दूसरे के लिये उपयोगी हैं। मानव समाज सामा?जिक विकास के साथ-साथ प्रकृति एवं संस्कृति का विकास भारतीय सनातन व्यवस्था करती है। हम सब भारतीयों के आचरण में यदि यह संस्कृति रहेगी तो हम दुनिया के सबसे संपन्न और सबसे ज्ञानवान देश होंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। महाकुंभ से सारी दुनिया के देशों को यही संदेश जाता है।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है महिला अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दशार्ता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।

समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का ₹विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं₹ कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की ₹महिला वैज्ञानिक योजना₹ महिला शोधकताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20% से भी कम है।

यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न-विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक है; हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार-अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव-विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग-संवेदनशील, योग्यता-आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Europe unsure if US is still an ally

SINCE the end of World War II, America's grand strategy was to ensure that no hostile power arose on either flank of Eurasia. To this end, the US initiated the Marshall Plan and helped rebuild ruined Europe. This, in turn, became an important factor in raising US prosperity in the 1950s and 1960s. It also shaped the North Atlantic Treaty Organisation (NATO) alliance and provided men and material to ensure the security of Europe.

In the east, the US went further in the pursuit of its goal. It fought a war in Korea that cost it over 35,000 lives and another in Vietnam, where it lost over 58,000 soldiers. The US occupied Japan till 1952 and completely remade its society and government in its own image, and it still retains substantial forces in the country at over a dozen bases.American President Donald Trump seems to be wanting to turn this policy inside out. He seems to want to make deals with the Eurasian powers the US targeted — Russia and China — and write off America's erstwhile friends. His pursuit of territorial expansion with regard to Canada, Panama and Denmark looks like a "sphere of influence" policy where the US will be the dominant Western Hemisphere power, while Eurasia will be left to the tender mercies of Vladimir Putin and Xi Jinping.His new posture is manifesting itself in his approach to the war in Ukraine, where he has adopted what can, at best, be termed as a "Russia-leaning neutrality". This is apparent in the stark difference visible in a US draft resolution circulated at the United Nations to mark the third anniversary of the Russian invasion. The draft has mourned the loss of life in the "Russia-Ukraine conflict" and sought "a swift end to the conflict, including by addressing its root causes", while calling for a lasting peace between Ukraine and Russia. This is a rival resolution to the one that Ukraine and Europe have backed, which speaks of Russian aggression and the implementation of past resolutions demanding that the Russians end the war and withdraw from Ukraine's internationally recognised territory.

Trump has adopted a hard approach towards Kyiv. After freezing out Volodymyr Zelenskyy from the first US talks with Russia, Trump falsely accused Ukraine of starting the war that has ravaged that nation and killed thousands of people. When Zelenskyy criticised him for living in a "disinformation bubble", Trump lashed out, calling the Ukrainian President a "dictator". He attacked Ukraine for tricking the US into spending $350 billion "to fight a war that couldn't be won". And he has demanded a deal through which the US would control half the mineral rights of Ukraine to repay the money that Washington has spent in supporting Kyiv. According to US News & World Report, the US has actually spent around $100 billion, while the Europeans have put in nearly $400 billion till now.The Trump plan is based on delivering a systemic shock to Europe and Ukraine to destabilise, if not destroy, the older system where the US was a firm NATO ally and a key backer of Ukraine in its war with Russia. The second objective has been to freeze out Europe and embrace Russia as a partner in making peace in Ukraine, even while blaming it for causing the war. Earlier this month, Trump called Putin and talked to him about ending the war without consulting either Ukraine or its European allies.

As for China, things seem to be moving towards a major trade deal which would take up from where the Phase I trade deal between the US and China in the last year of his previous administration left off. His advisers such as Treasury Secretary Scott Bessent have been pushing a new deal, while his new alter ego, Elon Musk, has extensive business interests in China.Just how deep the shift against Europe is was manifested by the speech of US Vice-President JD Vance at the Munich Security Conference last week. He said free speech and democracy were under attack in Europe, but not from Russia or China, but mainstream political parties that were attacking European right-wing parties like the Alternative for Germany (AfD). It is no coincidence that the Far Right in Europe is soft towards Putin.

How a legal loophole shields marital rape in India

Marriage has evolved from a contractual bond to a partnership of equals, built on mutual respect and consent. Yet, the marital rape exception contradicts this shift, perpetuating abuse and denying women legal recourse.

The Chhattisgarh High Court acquitted a man convicted under Sections 304 (culpable homicide), 375 (rape) and 377 (unnatural sexual offence) of the IPC of the death of his wife. The court ruled that non-consensual sex and unnatural acts within marriage do not constitute offences due to the marital rape exception under Section 375. The court extended this exception to Section 377, relying on the SC's decriminalisation of homosexuality.

While the judgment is legally sound, it is disheartening that a woman lost her life after enduring extremely gruesome violations — details of which cannot be reproduced. This resulted in the loss of her honour, dignity and self-esteem, an outcome that sends chills down the spine, leaving a sense that something deeply wrong remains unaddressed.

Marriage has evolved from a contractual bond to a partnership of equals, built on mutual respect and consent. Yet, the marital rape exception contradicts this shift, perpetuating abuse and denying women legal recourse. By presuming perpetual consent, the law disregards modern understandings of dignity, autonomy and human rights. Legalising non-consensual sex within marriage undermines individual freedom and the principle that a wife's bodily autonomy is as vital as that of a husband.Globally, about one in three women have experienced sexual intimate partner violence or non-partner sexual violence in their lifetime (WHO, 2021). A study has found that sexual violence from intimate partners in women aged 15-49 ranged 6-59 per cent across 10 countries (WHO, 2005).

The National Family Health Surveys (NFHS) and National Crime Records Bureau (NCRB) are primary sources of national-level data on violence against women in India. However, the data includes only reported cases and marital rape is not legally recognised, leading to less than 1 per cent of such cases being reported.Resolving marital rape in India is complex due to cultural norms surrounding marriage and sexuality. Unlike western societies that emphasise individual autonomy, the Indian society tends to be more conservative, with limited open discussion on sexual matters. Women face societal pressure to conform to traditional roles and any deviation is often seen as a threat to the institution of marriage. The concept of consent within marriage is complicated by cultural and moral implications, where, in more conservative areas, men may feel a strong expectation to fulfill their sexual needs within marriage as sex outside of it is either unavailable or morally rejected. This can blur the line between entitlement and mutual consent.According to a study by Deosthali et al, which analyses data, a 2010 survey found that one in five men reported forcing their wives into sex. In rural Karnataka, 36 per cent women agreed that husbands might force sex even if their wives refused. A Chennai study found 31 per cent women reported sexual violence by husbands while a survey in UP found 32 per cent husbands admitted to forcing sex.

The NFHS (2019-2020) shows that 29 per cent married women have experienced physical or sexual violence from their husbands. Studies also highlight high rates of sexual violence during pregnancy, with 40 per cent women reporting violence during pregnancy, experiencing sexual violence.These figures likely under-report the prevalence of marital rape due to stigma. Marital rape leads to severe physical, sexual, reproductive and psychological health issues for women. Research shows that abusive husbands are more likely to engage in extramarital sex, have sexually transmitted infections and expose their spouses to increased health risks. Sexual violence is linked to stillbirths, pelvic inflammatory diseases, limited access to prenatal care and even suicide attempts by women.These findings raise serious questions about the cost women have to pay to "save" the institution of marriage, often cited as a reason to exempt marital rape.Sweden criminalised marital rape in 1965, leading to a rise in reported cases and public awareness.

A 2013 study by the Swedish National Council for Crime Prevention showed that this legal change, coupled with public education on consent, helped women identify non-consensual sex as rape. It also empowered women to seek help from authorities and support organisations, redefining marriage as a partnership based on equality and mutual respect, which fostered broader social changes.The criminalisation of marital rape has brought about significant shifts in societal attitudes and increased reporting. In the UK (1991), it empowered women to recognise marital rape as an abuse of power, leading to higher reporting rates (Kelly & Gavey, 2001). In the US (1993), legal reforms raised awareness, reduced tolerance and underscored a woman's right to refuse sex in marriage (Journal of Interpersonal Violence, 2005). In Australia (1981), it resulted in higher reporting and prosecution, with a shift in societal views from seeing forced sex as a private matter to acknowledging it as a violation of personal rights (Australian Institute of Criminology, 2008).

Though initially met with opposition, these legal changes gradually fostered greater recognition of women's rights and helped instill more progressive values in society.

The Justice Verma Committee (2013), the 2014 Special Rapporteur on Violence Against Women, and the Pam Rajput Committee (2015) recommended criminalising marital rape, saying that marriage does not imply consent. While international law recognises marital rape, 36 countries, including India, do not. Its criminalisation would ensure proper law enforcement response, survivor support and alignment with global human rights norms.

Recognising and criminalising marital rape in India faces challenges like cultural resistance, potential misuse, inadequate support systems, judicial burden and marital tensions.While legal recognition is vital, a holistic approach is equally crucial — encompassing comprehensive sex education, stronger marriage counselling, legal literacy, victim support, gender sensitisation, open discussions on consent, community interventions and reinforced legal protections. A multifaceted strategy combining education, legal reform and societal support is essential for lasting change.

Even the Mahabharata, despite its narratives of wronged women, upholds an undeniable truth in the Anushasana Parva (The Book of Precepts): "The righteousness of men depends upon women." A society that denies women dignity and autonomy imperils its own moral foundation.

Laptops over trees

Uttarakhand govt squanders forest funds

Uttarakhand, a state revered for its natural beauty and ecological significance, faces a stark paradox. While citizens rally to protect Himalayan cedar trees and discuss solutions for environmental degradation, a recent Comptroller and Auditor General (CAG) report exposes rampant misuse of funds meant for forest conservation. Money intended for afforestation under the Compensatory Afforestation Fund Management and Planning Authority (CAMPA) has instead been squandered on iPhones, laptops and office renovations. The report reveals that Rs 14 crore meant for reforestation was diverted to non-essential expenditures, even as afforestation projects lagged. The CAMPA mandates that funds be used within a set timeframe, yet in 37 cases, compensatory afforestation took over eight years. It is not surprising that under these circumstances, the survival rate of planted trees between 2017-2022 was a dismal 33 per cent, far below the 60-65 per cent standard set by the Forest Research Institute.

This financial mismanagement is even more alarming, given Uttarakhand's mounting ecological crises. The state is already struggling with a drying Ganga, landslides and deforestation-driven disasters. Reports highlight unchecked hill cutting, unstable slopes and pollution concerns. Yet, those in power continue to divert funds away from genuine conservation efforts. Beyond the forest department, the Workers Welfare Board spent Rs 607 crore without proper approvals and 52 projects bypassed mandatory environmental clearances. Such governance failures demand accountability. Forest Minister Subodh Uniyal has ordered a probe, but unless it leads to strict action, public trust will further erode.

When citizens are fighting to save trees and restore degraded landscapes, the government's financial recklessness is nothing short of betrayal. Uttarakhand must act decisively — before its rivers dry up, its forests vanish and its green cover becomes just another forgotten policy promise.

Deadly cost of hyper-competitive education

What has severely damaged the intellectual growth of our kids is the one-sided importance to one's performance in tests like the JEE, NEET and CUET.

ISN'T it absurd that we can't think of anything beyond a set of technical solutions — say, the installation of 'suicide proofing' fans in hostel rooms, or nets in balconies and lobbies — to the recurring problem of suicides or the abrupt end of the life-journey of broken/shattered/ disillusioned young students in Kota, which is a site of the demonic coaching industry?

Well, in recent times, the business of the Kota coaching industry has somewhat declined because of the 'bad' name it got as newspapers began to report regularly about the pathetic mental health of young aspirants. In fact, the number of students in Kota is falling and, as a report reveals, the annual revenue of this business enterprise has been reduced to Rs 3,500 crore from Rs 7,000 crore.However, nothing seems to have changed as far as the agony of young minds is concerned. In this year only, seven students have ended their lives by suicide and sought to convey the message that they could not bear the pressure and fulfil the parental aspirations for 'good' careers/lucrative salary packages.

It is sad that we are not yet ready to think of a meaningful solution to this sort of suicide beyond the parameters of the typical 'law and order' discourse or even a set of routine 'counselling sessions'.In fact, it is high time some of us began to raise certain critical issues we seldom talk about. In this context, as a teacher and concerned citizen, let me make four observations.First, what has severely damaged the intellectual/ psychic growth of our children is the faulty pattern of education that has attached almost one-sided importance to one's performance in standardised tests, like the JEE, NEET and CUET. It has systematically devalued what really matters for the intellectual, aesthetic and moral development of the child.

And, I have no hesitation in saying that these standardised tests destroy the joy of learning and kill the ecstasy of a creatively nuanced critical pedagogy.

Instead of arousing the learner's curiosity or activating his/her ability to think, interpret, contemplate and go deeper into the exciting domain of sciences and humanities, these problematic MCQ-centric tests transform him/her into a 'war strategist', continually mastering the 'technique' of identifying the 'one and only one correct answer' — instantly and mechanically.

Second, in addition to the obsession with standardised tests, we are witnessing another disturbing phenomenon — the growth of 'dummy schools'. As these schools have a setting with coaching centres, young students need not attend regular classes and take part in the dynamics of school culture. Instead, they do what coaching centres dictate — say, the act of mastering the 'success manuals' or all sorts of strategies for cracking such tests as the JEE and NEET.Be it physics or mathematics, biology or chemistry, everything is reduced to an MCQ question. No wonder, the formative years of these youngsters are spent in an environment that promotes endless drilling, mental fatigue and hyper-competitiveness and the chronic fear of failure.It destroys the joy of learning, or the art exploring the domains of science, culture and aesthetics holistically, creatively and mindfully.

No wonder, they miss what a comprehensive school culture provides — say, a life-long relationship with good teachers, a spirit of fellow feeling and the joy of music, theatre, sports and other 'non-utilitarian' creative pursuits.

Third, it is equally important on the part of the parents to accept a set of fundamental facts about their children's unique aptitudes, inclinations, capabilities and mental orientations. For instance, there is no harm if your child is not particularly inclined to science and mathematics. Likewise, it is possible for a child to have deep interests in the so-called 'soft' domains — say, music, literature, aesthetics, theatre or social work.

And, it is not a mistake on the part of your child if she/he needs some breathing space for exploring and understanding what she/he really wishes to do in life.

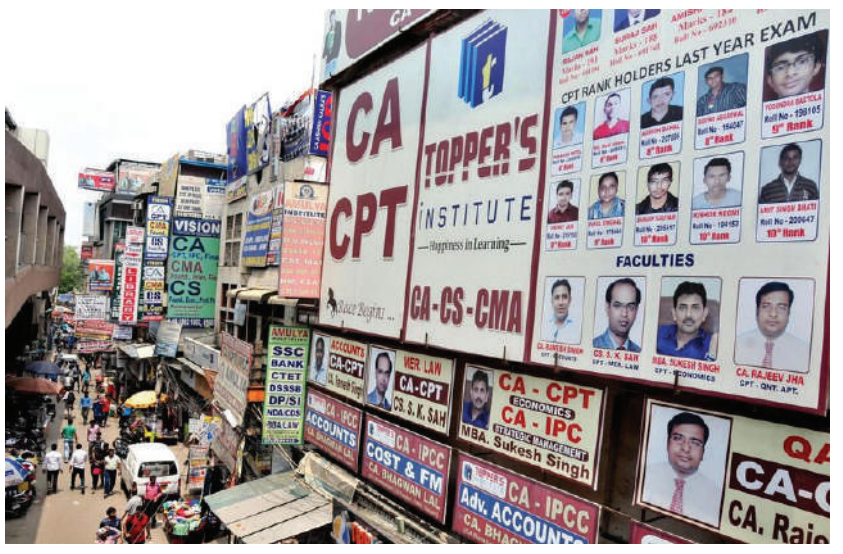

However, as the anxiety-ridden middle class parents abhor any 'risk', they want their kids to follow what is seen as the standardised path towards a 'secure' career.

So, these youngsters, irrespective of their inclinations and capabilities, are compelled to nurture the same ambition that is seen as 'acceptable': the desire to become a software engineer or a doctor. Quite often, it becomes exceedingly difficult for them to bear the resultant psychic pressure and fulfil the unnatural parental ambitions.No wonder, it is now common to find a suicide note like this: "I am the worst daughter. Sorry mummy, papa. Yahi lasts option hai."

And finally, let us accept that the routinised acts like pariksha pe charcha or a set of counselling sessions fail to address the real issueThe fact is that these youngsters are suffering because we live in an over-populated society of perpetual scarcity.Moreover, because ofthe neoliberal/market-driven doctrine of hyper-competitiveness and the resultant logic of the 'survival of the fittest', the commodification of almost every aspect of life seems to have become normal. As education is increasingly commodified and marketed, it loses its libertarian potential. Nobody joins the coaching industry to think critically or activate the faculties that make us truly humane, compassionate and sensitive.

Likewise, these days, the worth of being educated is measured primarily in terms of "placement and salary package." And this reckless pressure to emerge as a saleable commodity or a "resource" that the market needs to use tends to cripple one from deep inside. Alienation or chronic nervousness is the price of 'success'. Indeed, as the latest National Crime Records Bureau data suggests, with 13,044 student suicides in a year, an "epidemic is sweeping India."

When will we wake up, initiate a movement for structural and cultural transformation and give a life-affirming vision of education and vocation to our children?

Sensex, Nifty open higher as banking and financial stocks gain in early trade

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Thursday, driven by gains in heavyweight banking and financial sector stocks in early trade.

The S&P BSE Sensex gained 115.61 points to 74,717.73, while the NSE Nifty50 added37.30 points to 22,584.85 as of 9:20 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that since a broad rally in the market will need indications of recovery in growth and earnings, investors can focus on micros rather than macros in the near-term."Plenty of stock-specific action ahead, despite headwinds from FII selling and Trump tariffs news. Sharp correction in the broader market has made the valuations in certain segments attractive. Defence stocks, which had run up too much too fast, have corrected sharply making

In FY25, so far, FIIs have sold stocks in the cash market for Rs 3,87,976 crores. Interestingly, the DIIs have more than compensated for this selling through buying for Rs 5,55,519 crores. Despite this, the market has been trending down. It is possible that the activity of HNIs, UHNIs and family offices which are not reflected in the DII data are also impacting the market. This smart investor category might have been on the sell side since they move with the fundamentals, and, fundamentals have been deteriorating with the cyclical slowdown in GDP growth and corporate earnings.

SpiceJet turns net worth positive first time in a decade; reports Q3 PAT at Rs 26 crore

NEW DELHI. Low-cost carrier SpiceJet reported a net loss of Rs 441.7 crore for the July-September quarter but bounced back to profit in the October-December (Q3FY25) quarter. The airline posted a net profit of Rs 26 crore in Q3FY25 on revenue of Rs 1,651 Crore. Ajay Singh, Chairman and Managing Director of SpiceJet said that for the first time in a decade, the company has turned net worth positive – an important milestone that underscores the success of our turnaround strategy.

"The past is behind us, and we are now firmly focused on building a stronger, more resilient future for SpiceJet," added Singh.

The airline's successful Rs 3,000 Crore Qualified Institutional Placement (QIP), which saw participation from leading global investors has significantly strengthened its financial position, said SpiceJet. This has enabled the resolution of major legacy liabilities, fleet expansion, and accelerated operational growth.Singh added that they have significantly strengthened our balance sheet, resolved key disputes, and are continuously expanding our fleet. He informed that SpiceJet is in discussions with OEMs for advanced deliveries of aircraft and is actively exploring both organic and inorganic growth opportunities.Debojo Maharshi, Chief Business Officer, SpiceJet, said, that strong demand and effective network optimization are expected to drive a double-digit growth in RASKs during the fourth quarter of FY25 compared to the previous year. "This anticipated increase will not only enhance our revenue streams but also significantly improve our cash flows, contributing to the overall financial health of the company and enabling us to invest in key initiatives," added Maharishi.

Paytm partners with AI startup Perplexity to offer in-app search for users

New Delhi. Fintech major Paytm said on Thursday it will partner with Perplexity to integrate the artificial intelligence (AI) startup's search features with its application.

Paytm said the integration will allow its customers users to ask questions, explore topics in Indian languages and make financial decisions. The Noida-based company described the collaboration as a "major step" in integrating AI and mobile payments. The chatbot will be available as a button on the Paytm app. The launch of the collaborative consumer-facing feature comes more than a year after Paytm said it used AI automation internally, leading to a 10-15 per cent reduction in employee costs.Paytm founder

Vijay Shekhar Sharma said the shift from search to AI-driven actionable insights needs local data training and the industry is moving towards that. He was speaking on X Spaces alongside Perplexity's co-founder Aravind Srinivas.

"This collaboration is a step towards a future where AI enhances everyday interactions and digital experiences for all," Srinivas said. Perplexity gives answers to users' questions from real-time sources.

"AI is transforming the way people access information and make decisions. With Perplexity, we are bringing the power of AI to millions of Indian consumers, making knowledge and financial services more seamless and accessible," Sharma said. "...the need for instant and reliable information to support informed decision-making is increasing—whether in managing finances, exploring market trends, or making daily choices," said Paytm.

Stock market today: Top 3 stocks that could deliver good return in near term

Since peaking at an all-time high in September last year, Dalal Street has seen nearly a 12% correction, leading investors to search for stocks that could offer gains despite market uncertainty.

New Delhi. Stock markets are set to resume trading on Thursday after a holiday break on February 26 for Maha Shivratri. The market has been volatile, with the Nifty and Sensex struggling to hold gains as investors remain cautious.Since peaking at an all-time high in September last year, Dalal Street has seen nearly a 12% correction, leading investors to search for stocks that could offer short-term gains despite market uncertainty.Analysts believe certain stocks, particularly in the non-banking financial company (NBFC) segment, could deliver positive returns in the near term.Aditya Gaggar, Director of Progressive Shares, said that the Nifty50 ended slightly lower at 22,548 in the previous session, with the overall trend remaining bearish. The key support and resistance levels for the index stand at 22,400 and 22,720, respectively. BankNifty is also moving within a defined range of 48,450-48,840.

Gaggar pointed out that FMCG stocks are approaching a crucial support zone, which could provide a buying opportunity if the support holds. However, the IT and Metal sectors are expected to remain under selling pressure.

"On the stock front, certain NBFC stocks, particularly Bajaj Finance, Bajaj Finserv, and Cholamandalam Holdings, are showing strong technical strength and could see further upside in the near term," he added.Vishnu Kant Upadhyay, AVP – Research & Advisory at Master Capital Services, said the stock has broken out of a downward-sloping consolidation pattern, signalling renewed bullish momentum.He explained that the stock is

trading above both the 21-day and 200-day exponential moving averages (EMA), which reinforces a positive trend. The Relative Strength Index (RSI) at 58.61 is moving higher, indicating increasing strength in the uptrend. Additionally, the Moving Average Convergence Divergence (MACD) has given a bullish crossover, further confirming the upward movement.Upadhyay said that Cholamandalam Finance Holdings has the potential to reach Rs 1,698 and then Rs 1,720 in the near term, while Rs 1,476 remains a key support level. He recommended buying at the current levels, with dips providing opportunities for additional accumulation.

Ajit Mishra – SVP, Research, Religare Broking Ltd said that markets will take cues from global trends in early trade, followed by a shift in focus to the monthly expiry of February's derivatives contracts."We maintain our 'sell on rise' stance on the benchmark while advising a balanced approach in stock positions. Meanwhile, investors can start accumulating quality stocks, available at attractive valuations." said Mishra.

5 PSU banks may see government stake sale of up to 20%: Report

New Delhi. The government is planning to sell up to 20% of its stake in five public sector banks (PSBs) over the next four years, according to a report by Business Standard.The stake sale in public banks is aimed at meeting the Securities and Exchange Board of India's (Sebi) minimum public shareholding norms, which require listed companies to have at least 25% of their shares held by the public.

A senior government official quoted in the report said that the government is working on a plan in consultation with the Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM), the Department of Financial Services (DFS), and state-run banks."This will be done to comply with the Securities and Exchange Board of India's (Sebi's) minimum public-shareholding norms. While market conditions will be considered, the government plans to use both the offer for sale (OFS) and qualified

institutional placement (QIP) routes," said a senior govt official as quoted by Business Standard.The five banks where the government is looking to reduce its shareholding are Bank of Maharashtra, Indian Overseas Bank, UCO Bank, Central Bank of India, and Punjab and Sind Bank. In each of these banks, the government's stake will be brought down to below 75% in a phased manner.On February 25, it was also reported that DIPAM had invited bids from merchant bankers to assist with the stake sale in public sector banks and other listed public financial institutions.The Request for Proposal (RFP) issued by DIPAM states that the selected merchant bankers will be empanelled for three years, with the option of extending their term for an additional year.These bankers will provide guidance on the timing and structure of the government's equity dilution in these banks and financial institutions.

Best place to invest: Why is World Bank bullish on India despite FII sell-off

New Delhi. Dalal Street has been jittery and has seen a nearly 12% correction since it peaked at an all-time high in September last year.The major reason has been the FIIs selling stocks, leading to dampening market investment, but the World Bank thinks the move might not be the right one.

The World Bank has said that India remains the best place to invest, even as foreign institutional investors (FIIs) continue to pull money out of the stock market.World Bank Country Director Auguste Tano Kouame, while speaking at the Advantage Assam 2.0 Business Summit, dismissed concerns over the recent market downturn and reaffirmed confidence in India's growth."We are not worried about India's growth at the moment. We are very bullish about India and will remain bullish," Kouame said. He urged investors to focus on the bigger picture, adding that India is "the shining light in the world" and a prime destination for investment.The statement comes at a time when the Indian stock market has been under pressure due to heavy selling by FIIs. Since October 2024, FIIs have withdrawn nearly Rs 2 lakh crore from the Indian stock market, leading to a decline of over 10% in the Sensex.

Midcap and smallcap stocks have been hit even harder, with the BSE Midcap index falling 19% and the BSE Smallcap index dropping 21% during the same period.The trend has continued into 2025, with FIIs offloading almost Rs 1 lakh crore worth of shares in just 33 trading sessions until February 14.India is not alone in witnessing these outflows, as several other emerging markets, including Brazil, Indonesia, Malaysia, the Philippines, South Korea, Taiwan, and Vietnam, have also faced similar trends. The only exception has been Thailand, which has attracted $17 million in FII inflows.Experts believe that the FII sell-off is largely driven by rising bond yields in the US. Higher yields have made American assets more attractive, prompting global investors to shift money away from emerging markets like India. Vipul Bhowar, Senior Director of Listed Investments at Waterfield Advisors, explained that FIIs are choosing the stability of US equities over Indian stocks.Another factor impacting investor sentiment is the slowdown in corporate sales growth. In the December 2024 quarter, the combined gross sales of Nifty50 companies grew by 6.6% year-on-year, down from 9.2% in the same quarter the previous year. This slowdown has made investors more cautious about Indian stocks.Despite these challenges, India's broader economic fundamentals remain strong.However, analysts warn that external risks could continue to affect market sentiment. Shrikant Chouhan, Head of Equity Research at Kotak Securities, pointed out that concerns such as US tariffs on Indian exports, domestic economic uncertainty, and weak corporate earnings in the third quarter of FY25 have contributed to market volatility.

Do you have multiple UANs Here's how to merge them

Every time you join a new company, give your employer the existing UAN so they don't create another. If they've already made a new one, you need to merge it with your old one.

New Delhi. If you've switched jobs a few times, chances are you've ended up with more than one Universal Account Number (UAN) from the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO). That's a mess you need to fix, or you might lose track of your money. Hence, it is advisable to keep consolidate all your previous UANs and consolidate with the latest one to avoid confusion.WHY MULTIPLE UANs?

At times, the employee does not provide his UAN or EPF account at the time of joining a new organisation. Hence, the new employers register a fresh one because either you didn't give them your old UAN or your last employer didn't update your exit date properly in the EPFO system. If this info isn't in the system on time, the EPFO might just generate a brand-new UAN for you.**FIX UP THE MESS: MEGE YOUR UANs**

You can merge all your EPF accounts under one UAN. Every time you join a new company, give them your existing UAN so they don't create another. If they've already made a new one, you need to merge it with your old one.

HOW TO CONSOLIDATE MULTIPLE UANsLog on to the member sewa portal. Select 'One Member - One EPF Account (Transfer Request)' under the 'Online Services' tab. Here, your personal details and current EPF account will be shown.Now, for PF transfer, the employee must get the old account either attested by the previous employer or the new employer. However, opting for the current employer fastens the processing. Submit the old UAN or PF account number and click 'Get Details.Verify the information, generate an OTP and submit. After the request is submitted, the current employer will be required to approve the request. Thereafter, the EPFO will process and merge the previous accounts with the current one.Now, keep checking the portal to track the merger status.

Important: Your old EPF accounts must be KYC compliant for this to work. If you have multiple old accounts, you have to merge them one by one.

ALTERNATIVE WAY

You can also email uanepf@epfindia.gov.in with both your old and new UANs. EPFO will verify, deactivate the extra UANs, and keep just one active. After that, you'll need to claim the money from the deactivated UAN and transfer it to the active one.

Mahindra SA inks MoU to explore auto production feasibility in South Africa

The study will allow Mahindra South Africa and IDC to make an informed assessment before any future decisions are taken

New Delhi. Mahindra South Africa, the local subsidiary of the Indian automative giant, has signed a Memorandum of Understanding with the Industrial Development Corporation (IDC) to undertake an in-depth feasibility study on the potential establishment of a Completely Knocked Down (CKD) vehicle assembly facility in the country.

Mahindra South Africa is also in the process of increasing its productive capacity at its assembly facility operation by AIH Logistics in KwaZulu-Natal province as it enters a third decade in the country, which it often refers to as "Mahindra's second home."

Reaching the milestone of our 25,000th locally assembled Pik Up is (a) testament to Mahindra's growing footprint and long-term commitment to South Africa," said Rajesh Gupta, CEO of Mahindra South Africa.Mahindra & Mahindra Ltd"As we continue to strengthen our operations, this MoU allows us to explore the feasibility of expanding our local assembly capabilities. This study will provide valuable insights into the potential for deeper integration into South Africa's automotive landscape while supporting the country's industrial growth objectives, Gupta added.

Mahindra has become the fastest-growing brand in the country in recent years with sales of its vehicles tailor-made for the local market, especially its pickup, which beat more established Japanese and European brands.The MoU marks a significant step in evaluating the potential for expanded local manufacturing, with a detailed study set to examine key factors such as South Africa's automotive industry incentives, export market potential, workforce development, and supply chain infrastructure.Additionally, the study will

assess logistics and supply chain feasibility, including potential locations, to determine how Mahindra can further integrate into the country's industrial landscape, including New Energy Vehicles (NEV).The partners emphasised that though the MoU signals Mahindra's intent to explore local manufacturing opportunities, it is purely an evaluation at this stage, and no commitment has been made toward establishing a CKD facility yet.

The study will allow Mahindra South Africa and IDC to make an informed assessment before any future decisions are taken.Acting Divisional Executive for Industry Planning and Project Development at the IDC Rian Coetzee said Mahindra's commitment to the feasibility study aligns with the objectives of the South African Automotive Master Plan (SAAM) 2035, which aims to strengthen the competitiveness of the country as an automotive assembly location.Depending on the outcome of the feasibility study, there is great potential for the company to increase its production output in South Africa a factor that has the potential to create employment opportunities, said Coetzee.

Danish Siddiqui Journalism Award announced. Entries open now

Honouring fearless journalism, the Danish Siddiqui Foundation invites entries for its inaugural award. Recognising truth, courage, and integrity in the media.

New Delhi. The Danish Siddiqui Foundation has unveiled the first ever Danish Siddiqui Journalism Award to reward journalists demonstrating bravery, integrity, empathy, and truthfulness in their reporting. This award aims to appreciate significant achievement in Print, Photojournalism, Digital, and Broadcast media.

Danish Siddiqui, a two-time Pulitzer Prize-winning photojournalist, was renowned for his fearless story telling and eloquent imagery.

Danish was tragically killed while reporting in Kandahar, Afghanistan, on July 16, 2021, yet his legacy endures, inspiring journalists to pursue impactful journalism with courage and conviction.

AWARD CATEGORIES AND ELIGIBILITY

The award is available to all Indian nationals, including foreign correspondents working in India. Submissions must be based on work done between January 1, 2024 and December 31, 2024.

The entries are judged on a relevance and impact matrix while observing ethical standards with particular attention to new and unheard stories.

A distinguished panel of senior journalists will assess the nominations:

Rajdeep Sardesai: A veteran Indian journalist and news anchor.

Vaishna Roy: Senior journalist.

Kishalay Bhattacharjee: Dean, Jindal School of Journalism and Communication.

Gabrielle Fonseca: South Asia editor at Reuters Pictures.

Speaking about the award, Rajdeep Sardesai said, "I am honored to be a part of a jury to decide on the awards that are being instituted in the name of Danish Siddiqui, a photojournalist, who, in the truest sense of words, represented the best values of journalism. Danish with his ground reporting, with his photography, stood for courage, he stood for truth, he stood for empathy. I would encourage all journalists out there to apply for the award and celebrate Danish's legacy by doing the kind of meaningful, impactful work that we would like to honor and recognise."

SUBMISSION DEADLINE AND CEREMONY DETAILS

Nominations will be accepted until March 31, 2025. The awards ceremony is planned for May 4, 2025 in New Delhi. As Akhtar Siddiqui, a member of the foundation board, put it, the purpose of the award is to honour journalists who report as per the ethos of Danish description of journalism, which is 'a reflection of the consciousness of society.'

Out on bail, Pune rape accused used mask to hide identity, manhunt to arrest him

A history-sheeter out on bail since 2019 allegedly raped a 26-year-old woman inside a stationary state transport bus at the busy Swargate bus station in Pune.

New Delhi. Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar on Wednesday said the Pune rape case accused deserves nothing but the death penalty. He said he has directed the Pune police commissioner to investigate the alleged rape of a woman inside a stationary state transport bus at the Swargate depot and swiftly arrest the accused.

The accused, who is on the run, used a mask to hide his identity after the crime. The Pune Crime Branch has deployed 13 teams along with a dog squad to arrest the accused. Additionally, a bounty of Rs 1 lakh has been announced by the police for anyone providing information about the accused.

A 26-year-old woman was allegedly raped inside a stationary state transport bus at the Swargate depot in Pune on Tuesday morning. The accused, identified as 36-year-old Dattatraya Ramdas Gade, was out on bail for a previous criminal case. Gade is a history-sheeter with several criminal cases registered against him at Shirur, Shikrapur, and Swargate police stations. The accused is currently on the run.

Ajit Pawar instructed the Pune Police Commissioner to investigate the incident thoroughly and arrest the accused at the earliest.

"The incident of rape at the Swargate bus station is extremely unfortunate, painful, infuriating, and shameful to all in civilised society. The crime committed by the accused is unforgivable, and there can be no other punishment for him than death. I have directed the Pune police commissioner to personally look into this matter and arrest the accused immediately," Pawar said.

Pawar said that the Maharashtra Chief Minister has also taken note of the incident and given necessary instructions to the police.

"Instructions have been given to the Minister of Women and Child Development and the Chairperson of the State Women's Commission to provide justice, psychological support, and all possible assistance to the victim," he added.

PUNE RAPE CASE

The incident happened when the woman was waiting for a bus for Phaltan in adjoining Satara district at one of the platforms at around 5.45 am.

According to the woman, as she was waiting for the bus, a man approached and engaged her in conversation, calling her `didi' (sister), and said the bus for Satara had arrived at another platform.

He took her to an empty `Shiv Shahi' AC bus parked elsewhere on the sprawling station premises. As the lights inside the bus were not on, she hesitated to get in at first, but the man convinced her that it was the right vehicle. He then followed her inside and raped her before fleeing, the woman told police.

Police are examining CCTV footage of the Swargate bus station and nearby areas, and seeking technical assistance for clues and to track down the accused.

Army cracks down on ex-soldiers tarnishing its image on social media

New Delhi. The Army has initiated strict action against former soldiers who are allegedly spreading misinformation and damaging the army's reputation on social media. According to sources, Army headquarters has instructed all commands to actively monitor social media platforms and file FIRs against any ex-serviceman found engaging in such activities.

FIR REGISTERED IN JAIPUR, MORE UNDER RADAR

In a recent development, an FIR has been registered in Jaipur against a former soldier accused of repeatedly making allegations against the army and its functioning through a YouTube channel.

Sources suggest that several other ex-servicemen across different cities are also under the army's radar for similar activities. Some of these individuals reportedly include those who were dismissed from service due to indiscipline.

ARMY'S STRATEGY, IDENTIFYING AND PROSECUTING OFFENDERS

To counter this issue, the Army headquarters has ordered all its commands to continuously monitor social media, track individuals involved in spreading false narratives, and take legal action against them.

Commands have been directed to gather detailed information on such ex-servicemen, establish their identities, and file FIRs under relevant sections. Army Headquarters will actively follow up on these cases to ensure strict action is taken.

As AAP firefights BJP in Delhi, where is Arvind Kejriwal?

Since the AAP's debacle in the Delhi Assembly polls, party chief Arvind Kejriwal has been conspicuous by his absence and has not been seen at any public events. Kejriwal, who was defeated by the BJP's Parvesh Verma in New Delhi, was last seen publicly on February 23 at the AAP legislative party meeting where Atishi was announced as the leader of the opposition.

Kejriwal's sudden disappearance has generated curiosity about his next move, with speculation gaining ground that he might enter the Rajya Sabha from Punjab. The buzz started after the AAP announced that its Rajya Sabha MP Sanjeev Arora would contest the Ludhiana West bypoll. The Congress and the BJP were quick to point out that the move was to pave the way for Kejriwal's Rajya Sabha seat. The AAP immediately denied the speculation with a one-line statement. The party also scotched rumours about him becoming the Punjab Chief Minister.

Interestingly, Kejriwal has remained silent even after the suspension of 21 AAP MLAs from the Assembly amid an uproar over the tabling of the CAG report on Delhi's controversial liquor policy.

WHERE IS ARVIND KEJRIWAL?

Top sources said Kejriwal was preparing for the upcoming Assembly elections where the party has strong roots, particularly Punjab, which is the only state under the AAP. The idea of contesting polls in other states with INDIA bloc partners is now in cold storage as the AAP is not eyeing entering the fray in Bihar. Elections are due in Bihar in November.

For now, the focus of Kejriwal is to win the Ludhiana West bypoll and subsequently prepare for the 2027 Punjab Assembly election. Sources said Kejriwal's daily routine involves regular meetings with party leaders with key roles in Punjab. The AAP chief is also taking feedback from ground-level workers in the state. A number of meetings were held recently at Kejriwal's residence with Punjab leaders and the in-charge of the state. Taking a cue from the Delhi debacle, where AAP lost power to the BJP after a decade, the party's core focus is now on organisational strength and governance model. Former Delhi deputy chief minister and senior leader Manish Sisodia has been frequently visiting schools in Punjab. The Punjab government has decided to expedite the reform of government schools and the entire education sector on the basis of AAP's 'Delhi model'.

Bajrang Dal's 'love jihad' tableau on Maha Shivratri sparks row in Bihar

New Delhi. A tableau themed around "Love Jihad" in a Maha Shivratri procession organised by Bajrang Dal in Bihar's Munger has triggered a major political row. The grand procession, which featured over 50 tableaux, toured the city before concluding at the Mankeshwar Nath Mahadev Temple.

One of the tableaux depicted alleged atrocities committed by Muslims against Hindu girls and included a refrigerator with dolls representing chopped-up women, visually suggesting a girl's body cut into pieces.

The tableau also featured newspaper cuttings of crimes against Hindu women, adding to the controversy. Slogans reading, "If you abandon your religion, you will be torn apart," were also displayed. The tableau drew sharp criticism from opposition parties, with RJD leader Mrityunjay Tiwari accusing the ruling JD(U) of failing to maintain communal harmony.

"An attempt is being made to spoil the

atmosphere... A conspiracy is being hatched to incite riots... Why was a 'love jihad' theme shown on Shivratri? Nitish Kumar says there will be no Hindu-Muslim conflict in Bihar, but will the JD(U) oppose this Bajrang Dal-BJP tableau?" he asked.

Defending the procession, LJP (R) leader Dhirendra Munna pointed out that multiple tableaux were part of the event and argued that singling out one was unfair. "There were many tableaux, but questioning just one is not right... Law and order in Bihar is good," he said. Hindustani Awam Morcha leader Shyam Sunder Sharan also defended the state government's stance, emphasising that the authorities were keeping a close watch on the situation.

"The law in Bihar is vigilant... The government is keeping an eye on everything... We will not let Bihar's harmony be disturbed... Everyone has the right to express their feelings, but the government is alert to ensure that harmony is not disrupted," he said

Sri Sri Ravi Shankar on Kumbh water row: Ganga doesn't allow bacterial growth

New Delhi. Spiritual leader Sri Sri Ravi Shankar said it was the devotion of people that drove crores to the Maha Kumbh, which culminated on Wednesday, asserting that it showcased the rich diversity and the spiritual wealth of India. In an exclusive interview with India Today's Rajdeep Sardesai, Ravi Shankar also weighed in on the controversy over high faecal coliform detected in the water at Prayagraj, saying scientists have found that Ganga is one of the world's most robust bodies of water.

"I see only three things that are the driving force for crores of devotees - faith, faith, faith. It is the devotion of people that is driving them. The festival is deeply ingrained in the psyche of India," Ravi Shankar, who is the founder of the Art of Living Foundation, said.

The Maha Kumbh, billed as the world's largest religious gathering that takes place after 12 years, concluded on Wednesday, with over 67 crore devotees taking the holy dip since January 13.

The spiritual leader, who has lakhs of followers across the world, said taking a holy dip was a way to "uplift one's spirit to higher consciousness".

"A dip can bring you back to your true nature. Taking a holy dip is a way to uplift one's spirit to higher consciousness, forgiving the past and forgetting the past and coming to the present," he said.

Weighing in on the controversy over a report by the Central Pollution Control Board (CPCB) that found alarming levels of 'faecal coliform' bacteria in the Ganga, Ravi Shankar said the river was known for its "self-purification abilities".

"Scientists have come up with experiments on Ganga water, saying how it is the most robust water which purifies itself and does not allow bacteria to grow in it. There could be issues, but the quality of the water, as per scientists, is something very amazing and authenticates what our belief has been for millenniums," he said. The spiritual leader said previously people and political leaders would come to the Kumbh and take dips "undercover". "They would feel so ashamed. We were not honouring our roots. Now that is gone. We are proudly proclaiming who we are. We are honest to ourselves, that dishonesty, that deceit, hypocrisy is gone," he said.

Maharashtra woman battles for life in US after road accident, family seeks visa

As a result of the accident on February 14, Neelam Shinde suffered serious injuries to her head, hands, legs and chest. She also had to undergo immediate surgery and is currently in critical condition.

New Delhi. A woman from Maharashtra's Satara district is currently battling for her life in a hospital in the US after she suffered critical injuries in a road accident. Neelam Shinde's family is seeking the Centre's help to get a visa immediately so that they can visit her. According to information, the accident took place on February 14 and a person has been arrested in connection. Shinde's family was informed two days later by her roommate.

Shinde suffered serious injuries to her head, hands, legs and chest. She also had to undergo immediate surgery due to the head injury.

In the wake of her condition, the hospital sent an e-mail to the family, asking them to come to the US as soon as possible.

A few days ago, Shinde's mother also died.

As the family is facing trouble with acquiring an immediate visa to the US, it has sought the Central government's help with efforts also to provide all kinds of required medical assistance.

Speaking to the media, Neelam Shinde's uncle said the family went to the passport office to get an immediate visa and also approached Union Minister Murlidhar Mohol, former MP Shriniwas Patil, and former MLA Balasaheb Patil (both from Satara).

"But they (family) were left in disappointment. There has been no help from the government till date," he added.

Meanwhile, NCP (SP) leader Supriya Sule sought External Affairs Minister S Jaishankar to help the Shinde family get a US visa.

Tagging Jaishankar and the External Affairs Ministry in a tweet on Wednesday, Sule said, "Student Neelam Shinde has met with an accident in the USA and is hospitalised in a local hospital."

"Her father, Tanaji Shinde, from Satara, Maharashtra, India, urgently needs to visit his daughter due to a medical emergency. Tanaji Shinde has applied for an urgent visa to the USA and requires assistance," she added.

NEWS BOX

Supreme Court, for now, blocks order for Trump administration to release billions in US foreign aid

WASHINGTON. The Supreme Court on Wednesday temporarily blocked a judge's order giving the Trump administration a midnight deadline to release billions of dollars in U.S.foreign aid.

Chief Justice John Roberts said the order issued by U.S.District Judge Amir H.Ali will remain on hold until the high court has a chance to weigh in more fully.Ali had ordered the federal government to comply with his decision temporarily blocking a freeze on foreign aid, ruling in a lawsuit filed by nonprofit groups and businesses.

An appellate panel refused the administration's request to intervene.The federal government froze foreign assistance after an executive order from President Donald Trump targeting what he called wasteful programs that do not correspond to his foreign policy goals.

Diesel's zombie apocalypse theme stuns Milan Fashion Week with graffiti & milky eyes

MILAN. The zombie apocalypse is now, according to Italian denim brand Diesel, which sent models onto a heavily graffiti-ed runway with unsettling milky gazes and spray-painted smiles.

Revealing silhouettes set the tone for the Fall-Winter 2025-26 co-ed collection premiered on Wednesday on the second day of Milan Fashion Week. Mini skirts were little more than peplums, requiring leggings or matching panties. Men wore cheekily low-rise jeans.Diesel has become a must-see of fashion week, in part due to its textile innovations. A silicone fisherman-pattern V-neck featured realistic chest hair detailing. Denim was treated to a reflective sheen, while jersey seemed to dissolve.Designer Glenn Martens is soon taking his innovative spirit to the Parisian fashion house Maison Margiela, which shares an Italian owner. He takes over from John Galliano. No creative changes have been announced at Diesel.

Burning Man's iconic 747 art plane finds new home in Las Vegas

UPDATED. A hulking section of a decommissioned jumbo jet that was transformed into a party venue at the 2017 Burning Man Festival is getting a new life off the Las Vegas Strip.The cockpit and section of the fuselage of the Boeing 747 were towed Wednesday from a spot at the Las Vegas Motor Speedway on the northern part of the city to a nearby entertainment district known as AREA15. The district bills itself as a site for immersive art installations, including Meow Wolf.Organizers say the jet, which was gutted after its Burning Man days in the Black Rock Desert of northwestern Nevada, will be transformed into an event and nightlife venue at AREA15.We just really want to celebrate the arts community and find immersive and experiential ways (to enjoy art),” said Pearl Verzosa, the district’s marketing director. “We are open for everybody. We want families, friends, partners just to have a really good time here. And I think that the airplane will be one of those really special places.”

Mysterious 'crying disease' kills over 50 in Congo: What we know so far

world. Unidentified illnesses have killed more than 50 people in north-western Congo's Equateur province over the past five weeks, with nearly half of the victims dying within hours of falling ill. Notably, 'crying' is also one of the symptoms reported by patients.

Health officials report 419 cases and 53 deaths since the outbreaks began on January 21 in two remote villages separated by over 120 miles.

Authorities are still investigating the cause of the diseases and whether the cases in the two villages—Boloko and Bomate—are linked. It is still unclear how the diseases are spreading, including whether human transmission is involved.

Outbreak details

The first outbreak was recorded in Boloko, where three children died within 48 hours after eating a bat. In Bomate, more than 400 people have fallen ill, with malaria identified in some patients.

However, no connection has been established between the outbreaks in the two villages, according to the World Health Organization (WHO).

Dr Serge Ngalebato, medical director of Bikoro Hospital and a member of the government response team, noted differences between the two outbreaks. “The first one with a lot of deaths is an unusual situation that we continue to investigate. In the second episode, we see many cases of malaria,” he said.

Symptoms and investigation

Congo’s ministry of Health reported that about 80% of patients exhibit symptoms such as fever, chills, body aches, and diarrhoea.Patients experienced symptoms including neck and joint pain, sweating, and shortness of breath. Those under 59 years old reported intense thirst, while children exhibited persistent crying.Initially, concerns were raised about the possibility of a hemorrhagic fever like Ebola, due to the rapid progression from sickness to death. However, Ebola and similar diseases like Marburg have been ruled out after testing more than a dozen samples.The WHO is now investigating other potential causes, including malaria, viral hemorrhagic fever, food or water poisoning, typhoid fever, and meningitis.

Trump administration says it's cutting 90 per cent of USAID foreign aid contracts

President Donald Trump and ally Elon Musk have hit foreign aid harder and faster than almost any other target in their push to cut the size of the federal government.

WASHINGTON: The Trump administration said Wednesday it is eliminating more than 90% of the U.S. Agency for International Development’s foreign aid contracts and $60 billion in overall U.S. assistance around the world, putting numbers on its plans to eliminate the majority of U.S. development and humanitarian help abroad.The cuts detailed by the administration would leave few surviving USAID projects for advocates to try to save in what are ongoing court battles with the administration.The Trump administration outlined its plans in both an internal memo obtained by The Associated Press and filings in one of those federal lawsuits Wednesday.The Supreme Court intervened in that case late Wednesday and temporarily blocked a court order requiring the administration to release billions of dollars in foreign aid by midnight.Wednesday's disclosures also give an idea of the scale of the administration's retreat from U.S. aid and development assistance overseas, and from decades of U.S. policy that foreign aid helps U.S. interests by stabilizing other countries and economies and building alliances.The memo said officials were “clearing significant waste stemming from decades of institutional drift.” More changes are planned in how USAID and the State Department deliver foreign assistance, it said.President Donald Trump and ally Elon Musk have hit foreign aid harder and faster than almost any other target in their push to cut the size of the federal government. Both men say USAID projects advance a liberal agenda and are a waste of money.Trump on January 20 ordered what he said would be a 90-day program-by-program review of which foreign assistance programs deserved to continue, and cut off all foreign assistance funds almost overnight.The funding freeze has stopped thousands of U.S.-funded programs abroad, and the administration and Musk's Department of Government Efficiency teams have pulled the majority of USAID staff off the job through forced leave and firings.In the federal court filings Wednesday, nonprofits owed money on contracts with USAID describe both Trump political appointees and members of Musk's teams terminating USAID's contracts around the world at breakneck speed, without time for any meaningful review, they say.'"There are MANY more terminations coming, so please gear up!'" a USAID official wrote staff Monday, in an email quoted by lawyers for the nonprofits in the filigs.The nonprofits, among thousands of contractors, owed billions of dollars in payment since the freeze began, called the en masse contract terminations a maneuver to get around complying with the order to lift the funding freeze temporarily. So did a Democratic lawmaker."The administration is brazenly attempting to blow through Congress and the courts by announcing the completion of their sham 'review' of foreign aid and the immediate termination of thousands of aid programs all over the world," said Connecticut Sen. Chris Murphy, a member of the Senate Foreign Relations Committee.The State Department said Secretary of State Marco Rubio had reviewed the terminations.In all, the Trump administration said it will eliminate 5,800 of 6,200 multiyear USAID contract awards, for a cut of $54 billion. Another 4,100 of 9,100 State Department grants were being eliminated, for a cut of $4.4 billion.The State Department memo, which was first reported by the Washington Free Beacon, described the administration as spurred by a federal court order that gave officials until the end of the day Wednesday to lift the Trump administration’s monthlong block on foreign aid funding.“In response, State and USAID moved rapidly,” targeting USAID and State Department foreign aid programs in vast numbers for contract terminations.

What's next for Trump's agenda after House GOP approves tax breaks and slashed spending in US budget

WASHINGTON. Now that House Republicans have passed an ambitious budget blueprint for US President Donald Trump's agenda, it's time for the hard work of turning ideas for $4.5 trillion in tax cuts and $2 trillion of slashed spending into a bill that lawmakers warn could bring intense changes to Americans back home.

Republicans are insisting the costs of the tax breaks be partly paid for by the steep reductions in federal government spending as a way to ensure the nation's $36 trillion debt load doesn't balloon to dangerous levels.But deciding what to cut—health care, food stamps, green energy, government regulations or student aid—is a politically agonizing choice.And it's not just the House that has to agree.GOP senators have their own plans. Their priority is to make the tax cuts permanent, rather than have them expire in a decade, as the House proposed. GOP senators see that as non-negotiable, but it would skyrocket the costs. Eventually, the House and Senate must vote on a final package.

"We have a lot of hard work ahead of us," House Speaker Mike Johnson said after the late Tuesday vote.

It's the start of a weeks-long—if not months—slog that is expected to consume Congress as Republicans try to deliver on Trump's agenda and their own campaign promises.Trump met Wednesday with Johnson and Senate Majority Leader John Thune at the White House, after Republicans also met with Treasury Scott Bessent. Trump's chief of staff Susie Wiles huddled privately with GOP senators at the Capitol.Republicans say if they fail to act, the lower tax rates first approved in 2017 will expire, which would amount to a massive tax hike for many Americans.They believe keeping the tax cuts in place will partly pay for themselves, unleashing economic growth and fresh revenues, though others say those projections are optimistic.Democrats put up stiff opposition against the House GOP plan—one lawmaker dashed from California after a week's stay in the hospital and another returned to Washington for the vote with her newborn son.Democrats will spend the weeks ahead warning Americans what's at stake."Republicans and Trump promised to lower costs on day one, and instead their priorities have been focused on ripping health care away from kids, moms and others who need it most," said Brittany Pettersen, D-Colo., cradling her 4-week-old son, Sam."All to fund tax breaks for billionaires like Elon Musk while increasing our national deficit by trillions of dollars," she said. "How can anyone show their face in their district after voting yes for this?"Trump, during a freewheeling Cabinet meeting Wednesday at the White House, insisted he will not touch the nation's premier safety net programs—Medicare, Medicaid and Social Security—but seek ways to root out what Republicans call waste, fraud and abuse.

Clip of Gaza as seaside resort posted on Trump's social media

WASHINGTON. US President Donald Trump's official social media accounts posted an apparently AI-generated video depicting war-ravaged Gaza rebuilt into a seaside resort, replete with a towering golden statue of himself.The video, which racked up more than 15 million views on Instagram and was shared thousands of times on Trump's Truth Social network by Wednesday morning, prompted some commenters to question whether the president's accounts had been hacked.The 33-second clip remained on Trump's accounts without denial or retraction hours after the initial posting on Tuesday night.

The video "Gaza 2025 What's Next?" opens with people on a rubble-strewn street emerging from a tunnel onto a beach with palm trees and yachts.Trump has floated the idea of a US takeover of Gaza under which its Palestinian population would be relocated - a proposal met with global condemnation.He later appeared to soften his plan, saying he was only recommending the idea, and conceding that the leaders of Jordan and Egypt - the proposed destinations for relocated Gazans - had rejected any effort to move Palestinians against

their will.In the social media clip, the soundtrack includes lyrics such as "Donald's coming to set you free, bringing the light for all to see", and "Feast and dance, the deal is done, Trump Gaza number one".

Seemingly AI-generated renditions of Trump and Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu sip cocktails in swimsuits by a pool, while other shots show what appears to be Elon Musk dancing under a shower of cash on the beach.Social media users reacted with both support and criticism, but many questioned whether Trump himself had posted the montage.

AFP did not find any evidence the video had been shared online before it was posted to Trump's Truth Social and Instagram accounts.One scene closely resembles an AI-generated image of Trump and Netanyahu drinking cocktails that began circulating in early February.Another scene shows belly dancers shimmying on the beach, sporting thick, long beards more typically worn by Islamists.

More than 15 months of war, triggered by Hamas's October 7, 2023 attack on Israel, have left much of the Gaza Strip in ruins and most of its population displaced from their homes.In Gaza, people who watched the video were in disbelief.

Electrocuted, Whipped, Tortured: The Reality Of Southeast Asia Scam Centres

Nairobi, Kenya. Starved, beaten and electrocuted, Ahmed remains traumatised months after being trafficked to Southeast Asia, one of an untold number of Africans forced to work in scam centres far from home.The complexes have flourished across the region, often staffed by foreigners who are made to swindle people in what analysts say is a multi-billion-dollar industry.Among them are Ethiopians, like 25-year-old Ahmed, who sign up for the promise of well-paid jobs.Instead, they run "love scams" -- often referred to as "pig butchering" -- inside infamous prison-like compounds that have mushroomed across Laos, Cambodia and Myanmar.

The scammers operate fake profiles of wealthy Western women to lure men, and sometimes women, into investing in crypto-currencies -- before vanishing with their savings.Hundreds have been released from complexes in Myanmar in recent weeks, according to local sources.But the United Nations said in 2023 that "hundreds of thousands" were "forcibly engaged by organised criminal gangs into online criminality" across Southeast Asia.Ahmed -- whose name AFP has changed to protect his identity -- endured months of captivity last year and returned home in December.

"I contemplated suicide," he said.

Imprisoned, abusedAhmed said he was approached by an old friend offering him a job abroad that paid up to $500 a month.It was a fortune in Ethiopia where the median monthly wage hovers around $24, according to the International Labour Organization.

His family raised $1,600 to send him to Laos, but he soon realised his friend had betrayed him when he was sucked into the scam world.He managed to talk his way out of a compound in Laos, only to be abducted by armed men and taken to another in Myanmar, where his captors demanded $5,000 for his release.

"When I told them I'm poor and don't have money they laughed and then gave me electronic shocks that left me unconscious," he said.On the 11th day, he said, half-starved, he was presented with a choice: work for free for 18 months, pay the ransom, or have sex on camera.He chose to work for free, but conditions were significantly worse than in Laos."There were people in the compound who lost limbs because of torture," Ahmed said."The administrators of the place used to cut fingers of 'misbehaving or mediocre' staff," he added.

"I feel lucky... Even though I'm still suffering the effects of electrocution, my limbs haven't been amputated."

Africa targetedAhmed said there were roughly 3,000 people working in the Myanmar centre, including Ethiopians, Kenyans and Ugandans.Africans are increasingly a target for scam centres, which require people who are proficient in English, desperate for work and digitally literate, said Jason Tower, Myanmar country director for the United States Institute of Peace who is based in the Thai capital Bangkok.

There is also little intervention from their governments.

Hamas hands over four dead hostages to Red Cross, as Palestinians leave Israeli prison

☛Crowds of cheering families, friends and supporters gathered in the West Bank town of Beitunia, jostling for a glimpse of the bus as it arrived.

KHAN YOUNIS. Hamas handed over four dead hostages to the Red Cross early Thursday in exchange for Israel's release of hundreds of Palestinian prisoners, days before the first phase of the ceasefire in the Gaza Strip was to end.An Israeli security official confirmed that Hamas handed the hostages' bodies to the Red Cross. Israel said the caskets were delivered with the help of Egyptian mediators through an Israeli crossing and an identification process had begun.At around the same time, a Red Cross convoy carrying several dozen released Palestinian prisoners left Israel's Ofer prison. Crowds of cheering families, friends and supporters gathered in the West Bank town of Beitunia, jostling for a glimpse of the bus as it arrived.

Well-wishers greeted the released prisoners, hugging them and snapping photos. One released man made a victory sign as he was carried on the shoulders of supporters, with the crowd chanted "God is Great."

Hundreds of other prisoners were to be sent to Gaza, many of them detained after the Oct. 7, 2023, attacks and never charged.

Israel had delayed the release of over 600 Palestinian prisoners since Saturday to protest what it called the cruel treatment of hostages during their handover by Hamas. The militant group has called the delay a "serious violation" of the ceasefire and said talks on a second phase aren't possible until the Palestinians are freed.

Earlier Wednesday, Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said the latest release of hostages' bodies would be carried out without ceremony, as opposed to past Hamas releases with stage-managed events

in front of crowds. Israel, along with the Red Cross and U.N. officials, have called the ceremonies humiliating for the hostages.Among those scheduled to leave Israel early Thursday were hundreds of detainees arrested from Gaza, held on suspicion of militancy after Hamas' Oct. 7, 2023, attack, without charge for months. They include 445 men, 21 teenagers and one woman who were all arrested after the Hamas attack, according to lists shared by Palestinian officials that did not specify their ages.Only around 50 Palestinians were released into the occupied West Bank and east Jerusalem in this round. Dozens sentenced to life over deadly attacks against Israelis will be exiled out of the Palestinian territories, taken to Egypt at least temporarily until other countries accept them.

The handover would complete both sides' obligations under the ceasefire's first phase, during which Hamas returned 33 hostages, including eight bodies, in exchange for nearly 2,000 Palestinian prisoners.

The family of a hostage in Gaza said it was notified he is dead and his body was among those to be returned to Israel. The family did not say who informed them. Notifications typically come from Israel's military.

NEWS BOX

PAK vs BAN: Bangladesh, Pakistan look to salvage pride as rain threat looms large

Pakistan and Bangladesh have nothing to lose when they face off in the penultimate Group A match on Thursday, 27th February, in the Champions Trophy 2025 at the Rawalpindi Cricket Stadium. Both teams have already been eliminated from the competition but will aim to avoid finishing at the bottom of the points table.However, there is a significant chance that rain could spoil the game. With an 88 per cent likelihood of rain throughout the match and clouds hovering over the venue, there's a real possibility that the encounter could be interrupted. Earlier, the match between Australia and South Africa was abandoned without a ball being bowled, and the upcoming clash may end up being a damp squib.As the host nation, Pakistan has not had the best tournament. Despite having quality players, they failed to make it to the semi-finals. In their opening game, Pakistan suffered a 60-run defeat at the hands of New Zealand, followed by a six-wicket hammering by India at the Dubai International Cricket Stadium.

Mohammad Rizwan began his tenure as

Pakistan's captain with three consecutive series wins against Zimbabwe, Australia, and South Africa. However, the absence of key opening batsmen Saim Ayub and Fakhar Zaman significantly impacted their performance. Additionally, their decision to include just one specialist spinner, Abrar Ahmed, backfired.Also Read: Even MS Dhoni couldn't have done anything with Rizwan's team: Ex-Pakistan captain

The pace trio of Shaheen Shah Afridi, Naseem Shah, and Haris Rauf also leaked runs at an alarming rate. Babar Azam showed some promise against India, with five boundaries in his 23-run knock, but was unable to return to his best. The only thing Pakistan can now hope for is to finish with a win in front of their home crowd.

Can Bangladesh finish on a high?

Before the Champions Trophy began, Najmul Hossain Shanto stated that Bangladesh would enter the tournament with the aim of winning it. Unfortunately, the Tigers failed to live up to expectations, exiting the competition after back-to-back losses to India and New Zealand. It is clear that Shanto's side have not lived up to the promise they showed in pre-tournament statements.

No emotional statements: Jos Buttler on captaincy future after England's exit

New Delhi. Jos Buttler opened up on his future as England captain after the Three Lions failed to qualify for the semi-finals of the Champions Trophy 2025. On Wednesday, February 28, England lost to Afghanistan by eight runs at the Gaddafi Stadium in Lahore. After losing to Australia by five wickets, Buttler's men faltered against the Afghans and failed to go through to the next round.Back in 2023, Buttler couldn't take his team through to the World Cup semis after which England failed to defend their T20 World Cup title under his leadership. Before the Champions Trophy, England lost 0-3 to India in the bilateral series and failed to take any momentum into the multi-nation event.

Champions Trophy: Full Coverage | Points Table

Buttler didn't give an 'emotional statements' on his captaincy, but said that England should 'consider all possibilities'. With Buttler as ODI captain, England have won 18

out of 44 matches and lost 25 while one match didn't produce a result. |AFG vs ENG: Highlights|"I don't want to say any emotional statements right now. But I think for myself and the other guys at the top, we should consider all possibilities," Butter was quoted as saying in the post-match presentation ceremony.

Buttler praises Joe RootAfter being asked to chase down a stiff target of 326, England were bowled out for 317 in 49.5 overs. Joe Root scored 120 off 111 balls with 11 fours and a six to keep England in the hunt, but his efforts went in vain. Buttler lauded Root for the way he handled pressure."He played an unbelievable innings tonight. The way to handle pressure in a run-chase. He needed one of the other top six batters to stay in with him and take the game deeper," Buttler added.England's last and final Group B game is against Temba Bavuma's South Africa on Saturday, March 1 at the National Stadium in Karachi.

Dope suspended wrestlers at IIS camp, Dangal raise eyebrows

The camp was organised in Vijayanagar, Karnataka close on the heels of an MoU signed between the United World Wrestling and Inspire Institute of Sport during the 2024 Paris Olympics

CHENNAI. An international camp held for women wrestlers at the Inspire Institute of Sport (IIS) last month and Haryana Dangal organised by the charitable trust on February 19 and 20 have come under the scanner due to participation of athletes serving provisional suspensions for dope violations.

The camp was organised at the IIS, Vijayanagar, Karnataka close on the heels of a Memorandum of Understanding (MoU) signed between the United World Wrestling (UWW) and IIS during the 2024 Paris Olympics last year. "This strategic partnership is designed to foster collaboration and enhance the development of wrestling in India by establishing a framework for mutually beneficial programs, projects, and activities," said an UWW statement soon after the signing of the MoU.Incidentally, an exposure trip to Italy was also planned for a few men and women wrestlers by the IIS after the completion of the camp. One of the selected wrestlers for the trip too was provisionally suspended by the World Anti Doping Agency (for SARMS) after prohibited substances were found in his sample taken during an international tournament in July 2023.

The trip, however, is unlikely to go ahead with chances of selection trials for the Asian Championships next month. Besides, the Italy Federation has enquired its Indian counterpart (Wrestling Federation of India) about the trip and the latter has clarified that it is not part of the plan and the list contains a provisionally suspended wrestler."I cannot comment on the issue," was the response from an IIS official when queried about the participation of a provisionally suspended wrestler in the camp. He, however, said the tour may not go ahead due to the proposed selection trials.Meanwhile, Siyanand, head of IIS, Hisar, who was also the tournament director at the Haryana Dangal, accepted the woman wrestler had participated in the camp. "She has been provisionally suspended, that's why she was allowed in the camp. Again that's what my opinion is as only higher officials at the IIS can talk about this elaborately," Siyanand told this daily.Speaking on suspended wrestlers

competing in the Dangal including the above-mentioned woman wrestler, he said, "The said woman wrestler was disqualified ahead of her bouts. We spoke to the National Anti Doping Agency and once we got confirmation from it then we didn't allow her to participate."Interestingly, quite a few suspended wrestlers competed at the tournament with a few of them winning a bout or two. "We prevented a few from competing but as we didn't have any comprehensive list of suspended wrestlers, there is a possibility that a few might have gone to participate," added the tournament director.The competition was held at the Haryana Agriculture University, Giri Centre, Shahid Madan Lal Dhingra Multipurpose Hall in Hisar. Each participant was charged Rs 1000 as entry fee for the tournament, which was held in four weight categories in each style (men's freestyle and Greco-Roman and women's wrestling). Interestingly, a couple of coaches from the Sports Authority of India (SAI) also assisted the tournament director for the competition. The winners (gold, silver and bronze medallists) were also given cash prizes apart from the medals.

A WFI source said the Italy federation mailed it seeking information on the proposed tour. "The WFI was not kept in the loop before organising the camp and holding the tournament. The federation told its Italian counterpart the same and also informed it about the presence of a suspended wrestler in the list. As far as the tournament is concerned, the guidelines clearly say the competition will be held according to the WFI and UWW Rules and Regulations but the same were not followed. How wrestlers serving suspension or provisional suspension can be allowed to compete," said the source.

Afghanistan replicate Delhi heroics to show World Cup win was no fluke

Champions Trophy 2025: Afghanistan are one win away from securing their maiden semi-final berth in the history of the tournament. On Wednesday, Hashmatullah Shahidi's men beat England by eight runs and knocked the Three Lions out of the competition.

New Delhi. Never count out Afghanistan. NEVER! The team may have suffered a 107-run defeat against South Africa and seemed in trouble, but Hashmatullah Shahidi's men scripted a remarkable comeback to knock England out of the Champions Trophy. In their maiden appearance in the mega event, Afghanistan now stands a realistic chance of qualifying for the semi-finals.In the 2023 ODI World Cup on Indian soil, Afghanistan looked down and out after defeats to Bangladesh and India in their first two games. However, under Hashmatullah's leadership, they rose from the ashes to defeat England by 69 runs at the Arun Jaitley Stadium in New Delhi. In Lahore, they fought even harder to come out on top.Afghanistan isn't a team that gets bogged down under pressure. They demonstrated this in the ODI World Cup, the T20 World Cup last year, and now the Champions Trophy. Their win over

England in Delhi was no fluke. It was their first-ever World Cup victory against a full-member nation, and now, their first win in Champions Trophy history.Ibrahim Steps Up Under Pressure

Rahmanullah Gurbaz is the more popular Afghan batter due to his hard-hitting prowess, especially in T20 leagues around the world. But his opening partner, Ibrahim Zadran, is not far behind. At just 23, Ibrahim has already etched his name in Afghan cricket history not once, not twice, but three times. |AFG vs ENG: Highlights|

In the ODI World Cup, Ibrahim became the fastest Afghan batter to reach 1,000 runs in the 50-over format. He also became the first Afghan batter to score a century in an ODI World Cup. Later, Ibrahim also broke Ben Duckett's record for the highest ODI score in Champions Trophy history. This is the same Ibrahim who was on crutches after ankle surgery in September. The same Ibrahim who made his ODI comeback in the Champions Trophy after 11 months. The winning catch to dismiss Adil Rashid only added to what was a memorable day for the Khost-born Ibrahim."It means a lot to me. As much as you work hard, I had trust in myself and wanted to keep batting. That 177 is a special moment for me. We played here last time in the Asia Cup, so I had an idea. I wanted to take my time and play proper cricketing shots, and it worked for me. I'm happy," Ibrahim said after the match.

Shoaib Akhtar recalls inspiring message to Afghan player, celebrates England's exit

New Delhi. Pakistan cricket legend Shoaib Akhtar was thrilled after Afghanistan's thrilling win over England in the Champions Trophy on February 26. The former pacer took to social media to congratulate the Afghan team and revealed a special conversation he had with all-rounder Gulbadin Naib before the match. Akhtar shared how he had encouraged Naib to do whatever it takes to secure victories against England and Australia, a message that seemed to have inspired Afghanistan's fighting spirit.

Afghanistan's historic 8-run victory over the defending champions knocked England out of the semi-final race in a high-intensity clash that went down to the wire. Shoaib Akhtar, through a special video message on his social media account, praised Afghanistan's resilience and lauded their achievement in securing their first-ever Champions Trophy win. |AFG vs ENG: Highlights|"Congratulations Afghanistan, very happy for you! I remember telling Gulbadin 'please defeat England'. He said

that 'don't worry brother, we will not spare them.' I told him you shouldn't spare Australia either. I was in Dubai when I told Gulbadin that you should win at any cost," Akhtar said."You have made Afghanistan very proud today. Now you have the maturity and you know how to play cricket. You have slayed a big team. Enjoy this day, but do not forget that you are going to play beyond the semi-final," he said.After winning the toss, Afghanistan chose to bat first and posted a competitive 325/7 in 50 overs, thanks to a record-breaking knock from opener Ibrahim Zadran, who smashed 177 off 146 balls. His century played a crucial role in setting up a strong total for the Afghan side.In response, England fought hard but ultimately fell short, getting bowled out for 317 in 49.5 overs. Azmatullah Omarzai starred with the ball, delivering a match-winning performance with figures of 5/58, ensuring Afghanistan crossed the finish line.With England eliminated, the semi-final race in Group A is now between Australia, South Africa, and Afghanistan.

WPL 2025: All-round Nat Sciver-Brunt fires as Mumbai Indians hammer UP Warriorz

New Delhi Nat Sciver-Brunt put in a strong performance as Mumbai Indians (MI) beat the UP Warriorz by eight wickets at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru to go to the top of the points table in the WPL 2025. On Wednesday, February 26, Sciver Brunt won the Player of the Match award after scoring a match-winning half-century and taking a three-wicket haul.After being asked to bat first, the Warriorz got themselves to 142 for the loss of nine wickets. Sciver-Brunt gave MI the crucial breakthrough after dismissing Kiran Navgire. But Grace Harris, who was promoted to open the batting, and Vrinda Dinesh's 79-run stand injected momentum into the innings for the Warriorz.

WPL 2025 Full CoverageHarris scored 45 runs off 26 balls before holing out to Shabnim Ismail off Amelia Kerr. Sanskriti Gupta dismissed Vrinda, who gave Harris support with a steady 33-run knock. But

after Harris got out, the Warriorz lost momentum and could only manage 61 runs off their last 10.4 overs.Sciver-Brunt was the pick of the bowlers for MI with figures of 4-0-18-3. Ismail took two wickets while Gupta and Kerr accounted for a scalp apiece. From once having a chance of posting a score in the range of 180 and 200, the Warriorz would be disappointed with their second half.

Sciver-Brunt rocks UP Warriorz

MI lost the early wicket of Yastika Bhatia as Deepti Sharma gave the Warriroz a good start with the early wicket. But Sciver-Brunt and West Indies captain Hayley Matthews made sure to put MI in a position of command. The duo built a partnership of 133 runs to take the sting out of the Warriorz batting.Matthews scored 59 runs off 50 balls with seven fours and two sixes. By the time Sophie Ecclestone dismissed her, MI were on the cusp of victory. Sciver-Brunt, on the other hand, batted until the very end as Mumbai romped home with three overs to spare.

How cricket greats reacted to Afghanistan's win vs England, ft Sachin Tendulkar

- **Ibrahim Zadran's 177 powered Afghanistan to a strong total**
- **Azmatullah Omarzai's five-wicket haul sealed Afghanistan's historic victory**
- **Cricket greats, including Tendulkar, hailed Afghanistan's England triumph**

New Delhi. Afghanistan's thrilling win over England in their Champions Trophy Group B clash on February 26 left the cricketing world in awe. The Hashmatullah Shahidi-led side stunned the defending champions, keeping their semi-final hopes alive while officially eliminating England from the tournament. The match saw edge-of-the-seat action, prompting many cricketing greats, including Indian legend Sachin Tendulkar, to heap praise on Afghanistan's spirited performance.Opting to bat first, Afghanistan put up an imposing total of 325/7 in their 50 overs, thanks to a phenomenal knock from opener Ibrahim Zadran. The 22-year-old smashed 177 off 146 balls, anchoring Afghanistan's innings with a masterclass in batting. His innings, laced with exquisite stroke play, ensured Afghanistan set a stiff target for England.England, in response, put up a fight but ultimately fell short. Despite Ben Duckett's brilliant 100, they were bowled out for 317 in 49.5 overs. Azmatullah Omarzai was the hero with the ball, claiming a match-winning five-wicket haul (5/58) and sealing Afghanistan's first-ever Champions Trophy win. |AFG vs ENG: Highlights|

Afghanistan's performance earned widespread appreciation from cricketing legends. Sachin Tendulkar took to social media to praise the team's resilience, while former Indian pacers Munaf Patel and Irfan Pathan also congratulated the side.Pakistan legend Shoaib Akhtar went a step further, backing Afghanistan to push beyond the semi-final stage. Even former England skipper Michael Vaughan praised Afghanistan's performance, hailing it deserving of the win over an England which was just not up to the mark.Even former India cricketer and former Afghanistan mentor Ajay Jadeja took to his social media to congratulate Afghanistan on the win.With England now out of the tournament, Australia, South Africa, and Afghanistan remain in contention for the two semi-final spots from Group A. Currently sitting third with one win from two games and a net run rate of 0.160, Afghanistan must beat Australia in their final group match to qualify. Meanwhile, a victory for Australia will see them and South Africa progress to the semi-finals.

Priyanka Chopra's

Mother Opens Up About Bareilly's Bitter Reaction After Her Miss World Win

Priyanka Chopra recently returned to India to attend her brother Siddharth Chopra's wedding to Neelam Upadhyaya on February 8.

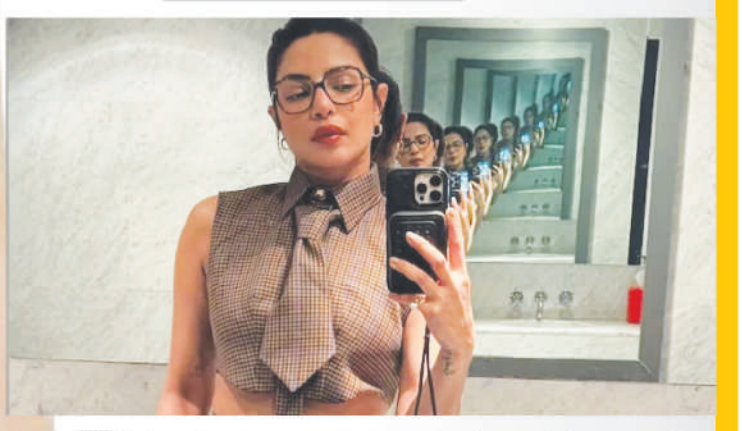

Priyanka Chopra was crowned Miss World In 2000 after winning the Miss India title in the same year. The actress was just 18 years old when she became the fifth Miss World from India. At a time when the whole world was praising Priyanka Chopra, she received an unpleasant reaction from her hometown Bareilly. Priyanka's mother Madhu Chopra has opened up on being upset about not receiving enough support from Bareilly. In a recent interview with Lehren TV, Madhu recalled returning to Bareilly after Priyanka's Miss World win, only to receive a bitter welcome.Madhu revealed, "Jo Bareilly mein humara reception hua that was not kind at all. The state machinery said ye naari shoshan hain, hum log isko nahi accept karenge. Unka funda hai ki jis seher se aayi hain usi seher pe uska welcome hoga (The state apparatus declared that this was female exploitation and that it would not be tolerated. The winner of Miss World had to return to her hometown for a ceremonial celebration)."

Madhu Chopra further revealed that even after permission from the chief minister, the state machinery gave excuses for not welcoming her. "Toh ye tha ki Bareilly jana hain aur Bareilly ne Chief Minister ke office se manaya tha… Toh we can't have her here law and order ka issue, kuch kuch toh bola tha, We were very upset." She added.

Madhu Chopra claims that the Bareilly authorities forbade Priyanka's homecoming celebrations from being extravagant. Rather, a modest gathering was planned in the army zone, where her father was stationed at the time. However, she received a heartfelt reaction from the entertainment industry in Mumbai. Filmmakers and producers saw her potential and gave her a chance in Bollywood.

Priyanka Chopra recently returned to India to attend her brother Siddharth Chopra's wedding to Neelam Upadhyaya in Mumbai on February 8.On the work front, Priyanka Chopra is gearing up for SS Rajamouli's next, alongside Mahesh Babu. The official announcement is anticipated to be released shortly. However, she wrapped up shooting for her upcoming action-thriller The Bluff. She will also feature with John Cena and Idris Elba in the American action-comedy Heads of State.

Dhanashree Verma

Shares 1st Post After Dismissing Rs60 Crore Alimony Claims: 'I Feel Strong, Fearless'

Dhanashree Verma took to her Instagram handle on Wednesday evening to share her first post ever since her family dismissed Rs 60 crore alimony claims. Dhanashree shared a series of pictures of herself and sought blessings from Lord Shiva on the occasion of Maha Shivratri."With Lord Shiva's blessings, I'm Unstoppable… I feel strong and fearless Shoot diaries for you The love and respect at work is unreal. Har har mahadev Dhanashree wrote. Check it out here:

This comes days after several reports claimed that the choreographer was seeking Rs 60 crore in alimony from the cricketer Yuzvendra Chahal amid their divorce. However, Dhanashree's family recently rejected the claims. On Friday, a member of the Verma family issued a statement and called alimony reports "baseless". The family member expressed disappointment with the viral claims and urged everyone not to spread "baseless" information.

The member clarified that Dhanashree Verma never asked for any alimony from Chahal."We are deeply outraged by the baseless claims being circulated about the alimony figure. Let me be absolutely clear—no such amount has ever been asked, demanded, or even offered. There is no truth to these rumours whatsoever. It is deeply irresponsible to publish such unverified information, dragging not just the parties but also their families into unnecessary speculation. Reckless reporting like this only causes harm, and we urge the media to exercise restraint and fact-check before spreading misinformation and also be respectful towards everyone's privacy," the statement read.Dhanashree and Yuzvendra, who tied the knot in 2020, are heading for a divorce. Recently, the former lawyer also shared that their divorce proceedings are currently underway. "I have no comments to make on the proceedings, the matter is currently sub judice. The media should fact-check before reporting, as a lot of misleading information is being circulated," the lawyer said.

Alia Bhatt REACTS To Post Defending Ranbir Kapoor Against 'Womanizer' Tag: 'Jealous People Call Him Red Flag'

Alia Bhatt and Ranbir Kapoor are among the most talked about couples in Bollywood. Although fans love to watch their chemistry on-screen and in real life, a certain section of people often subject Ranbir to tags like 'misogynist' and claim he is 'not supportive enough' due to misunderstandings. Alia Bhatt often indirectly defends her husband on social media and her recent Instagram activity has caught everyone's attention again.Alia Bhatt recently reacted to a post defending Ranbir Kapoor. The post mentioned, "Funny how jealous people always call him red flag, womanizer, mumma's boy etc. but Ranbir Kapoor literally included his wife and daughter's initials in his brand's name. If this is red flag then I guess it's better than every so called green flag on the internet." Alia Bhatt 'liked' this post on Instagram. Check it out here:

This is not the first time that Alia has seemingly defended Ranbir online. A few months ago, a video surfaced online showing clips where Ranbir Kapoor seemingly ignored Alia Bhatt at Raj Kapoor's 100th birth anniversary celebration. The actress 'liked' the video titled, 'The Ranbir Kapoor they don't post about'. The video was a compilation of clips from Raj Kapoor's 100th birth anniversary. In the video, Ranbir could be seen taking care of Alia and his older family members.

Previously, Riddhima Kapoor Sahni opened up about the continuous trolling and judgment her family faces, specifically targeting her brother Ranbir Kapoor and sister-in-law Alia Bhatt. Speaking to Zoom, Riddhima said that Alia and Ranbir are happy together and do not care for what people say about them. "They adore each other. They've created the most beautiful ever child, Raha. She is so so adorable. They are amazing parents. So, I don't think they really care about what people say," she said.

Himesh Reshammiya Reacts To Janhvi Kapoor Doing Bicep Curls To Tandoori Nights

Himesh Reshammiya's Badass Ravi Kumar has been in the headlines ever since its release earlier this month, mostly for its songs. One of its tracks, Tandoori Days, is also earning love from fans, reminding them of his previous track, Tandoori Nights, from the 2008 movie Karzzzz. The party anthem was viral among fans and even celebrities like Janhvi Kapoor also loved the song. Now, Himesh has talked about Janhvi's comment about him and the song, promising to release more such tracks.For your reference, Janhvi Kapoor, during an old episode of Koffee with Karan, admitted to stalking Himesh Reshammiya's Instagram reel wherein he is seen doing bicep curls while lip-syncing Tandoori Nights. Laughing, she said, "It's the best thing in the world. I love it."

In an interaction with Pinkvilla, Himesh Reshammiya was asked to react to Janhvi Kapoor's statement. Responding, he exclaimed, "Oh wow, Tandoori… outstanding. Ab Tandoori Days, Tandoori Nights, ab Tandoori Afternoons, pata nahi kya kya aayega (Now Tandoori Days, Tandoori Nights, now Tandoori Afternoons, I don't know what else will come)."

Shedding light on the audience's love for the song, Himesh stated, "Lekin Tandoori ko jitna aap logon ne pyaar kiya hai mujhe lagta hai ki tandoori food aapko bahut pasand hai (But as much as you guys have loved Tandoori, I feel that you like tandoori food very much)."

Continuing further, Himesh Reshammiya also talked about his latest track Tandoori Days and noted that there is something about the specific word adding that it was very lucky for him.After a successful streak of songs, Bollywood singer and composer Himesh Reshammiya ventured into acting. He made his debut in the 2007 hit Aap Kaa Surroor. After years of break, he recently returned to big screens with his la>test release, Badass Ravi Kumar. Directed by Keith Gomes, the film is a spin-off to the 2014 drama film The Xpose. Produced by Himesh Reshammiya Melodies, it shows him reprising his role of Ravi Kumar from the film. Apart from Himesh, the film also features celebs such as Prabhudeva, Kirti Kulhari, Sunny Leone, Sanjay Mishra, Johnny Lever, Mohan Joshi, Raza Murad and others.